संकल्प परिवर्तन का

नवसत्ता

रायबरेली, गुरुवार
21.03.2024
वर्षः 11
अंकः 190 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

15वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

नामांकन के पहले दिन किसी प्रत्याशी ने नहीं भरा पर्चा

लोकसभा चुनाव का प्रथम चरण

संवाददाता

लखनऊ, 20 मार्च (नवसत्ता)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को लोकसभा निर्वाचन की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकसभा निर्वाचन के प्रथम चरण में 08 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आज निर्वाचन की अधिसूचना जारी हो गई। इसके साथ ही इन निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। अधिसूचना के प्रथम दिन प्रथम चरण के निर्वाचन क्षेत्रों में कहीं से भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। नामांकन का समय पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 03 बजे के मध्य निर्धारित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पहले चरण के अंतर्गत जिन 08 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव सम्पन्न किया जाना है। वे इस प्रकार हैं- सहारनपुर-01, कैराना-02, मुजफ्फरनगर-03, बिजनौर-04, नगीना-05 (अनु0जाति), मुरादाबाद-06, रामपुर-07 व पीलीभीत-26 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। पहले चरण की 08 लोकसभा सीटों में 07 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 01 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के प्रथम चरण की 08 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 27 मार्च, निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को की जायेगी। 30 मार्च, को नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित है। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल, को सम्पन्न होगा। उत्तर प्रदेश की सभी निवार्चन क्षेत्रों की 04 जून, को मतगणना की जायेगी। 06 जून, 2024 से पूर्व निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण करा ली जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण की 08 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1.43 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 76.23 लाख पुरूष, 67.14 लाख महिला तथा 824 थर्ड जेन्डर हैं। इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 7693 मतदान केन्द्र तथा 14844 मतदेय स्थल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु प्रत्येक सामान्य श्रेणी के प्रत्याशी को 25000 रुपये तथा अनु0 जाति/अनु0जनजाति के प्रत्याशी को 12,500 रुपये जमानत धनराशि जमा करनी होगी। राष्ट्रीय/राज्यीय दलों के प्रत्याशियों को निर्वाचन क्षेत्र का एक निर्वाचक प्रस्तावक के रूप में तथा रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल एवं निर्दलीय प्रत्याशियों को 10 प्रस्तावक की आवश्यकता होगी। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में व्यय की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये निर्धारित है। नामांकन के समय रिटर्निंग ऑफिसर/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि के भीतर अधिकतम 03 वाहन तथा प्रत्याशी सहित अधिकतम 05 व्यक्तियों के प्रवेश की अनुमति होगी। राजनैतिक दलों द्वारा खड़े किये गये उम्मीदवारों को फार्म-ए तथा फार्म-बी दाखिल करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के 08 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर तथा उक्त चरण में सम्मिलित सभी 09 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया का विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

राजनैतिक दल और अभ्यर्थी आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करें

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 16 मार्च 2024 से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु आदर्श आचार संहिता लागू की गयी है। जिसके अन्तर्गत राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों को लागू हुयी आचार संहिता का पालन करने की अपेक्षा की गयी है। आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में कोई दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जो भिन्न-भिन्न जातियों और समुदायों, चाहे वे धार्मिक या भाषायी हों, के बीच विद्यमान मतभेद को और अधिक बिगाड़े या परस्पर घृणा उत्पन्न करे या उनके बीच तनाव उत्पन्न करे। कोई भी प्रत्याशी दूसरे दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की निजी जिंदगी संबंधी आलोचना करने से बचेंगे। निर्वाचन के दौरान वोट हासिल करने के लिए किसी जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थानों का चुनाव प्रचार के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सभी राजनैतिक दल और अभ्यर्थी ऐसी किसी भी गतिविधि जो भ्रष्ट आचरण एवं अपराध की श्रेणी में आते हैं, जैसे कि मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण करना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के भीतर प्रचार करना, मतदान समाप्ति के पहले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना, और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन आदि की व्यवस्था करना, जैसे कार्य नहीं करेंगे। आदर्श आचार संहिता के दौरान शांतिपूर्ण स्थित बनाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और अभ्यर्थी उसके विचारों या गतिविधियों से सहमत हों या न हों। कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी निजी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों आदि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने की अनुमति नहीं होगी। इस दौरान राजनैतिक दल और अभ्यर्थी यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके समर्थक दूसरे दलों द्वारा आयोजित बैठकों और जुलूसों में न तो बाधा खड़ी करें और न ही उन्हें भंग करेंगे। किसी भी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता द्वारा अन्य दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठकों में मौखिक या लिखित रूप में प्रश्न पूछकर या अपनी स्वयं की पार्टी के पर्चे बांटकर अव्यवस्था उत्पन्न नहीं करेंगे। किसी भी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाएगा, जहां दूसरे दल द्वारा बैठकें आयोजित की जा रही हो।

दिल्ली जल बोर्ड के तीन हजार करोड़ रुपए रोकने का मामला, सुप्रीम कोर्ट में एक अप्रैल को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता) उच्चतम न्यायालय दिल्ली जल बोर्ड के लिए बजट में निर्धारित तीन हजार करोड़ रुपये कथित तौर पर रोकने के खिलाफ दायर दिल्ली सरकार की याचिका पर एक अप्रैल को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दिल्ली सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने की गुहार पर विचार के बाद एक अप्रैल के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष श्री सिंघवी ने विशेष उल्लेख के दौरान कहा कि बजट 31 मार्च को समाप्त हो जाएगा, लिहाज शुक्रवार को सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा, मैंने (दिल्ली सरकार) बजट पारित कर दिया है। मैंने कानून पारित कर दिया है। मंत्री को निर्देशित किया गया है फिर भी दिल्ली जल बोर्ड का बजट जारी नहीं किया जा रहा है। यह 31 मार्च को समाप्त हो जाएगा। अदालत इसे शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर सकती है, क्योंकि समस्या यह है कि 31 मार्च को तीन हजार करोड़ रुपये लैप्स हो जाएंगे। इस पर पीठ ने दिल्ली सरकार को आश्वासन दिया कि वह दिल्ली जल बोर्ड को दी जाने वाली तीन हजार करोड़ रुपये की धनराशि 31 मार्च को समाप्त होने के बाद भी जारी करने का आदेश दे सकती है। पीठ ने कहा, अगर हम एक अप्रैल को सूचीबद्ध करते हैं तो हम हमेशा उलटफेर का निर्देश दे सकते हैं। यह हमारे लिए केवल एक वित्तीय प्रविष्टि है। सुनवाई के दौरान जो कुछ भी होगा, हम कर सकते हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि मुख्य सचिव नरेश कुमार के निर्देश पर वित्त विभाग ने जल बोर्ड के लिए पारित धनराशि रोक दी है। इसकी वजह से राजधानी क्षेत्र में गंभीर जल संकट होगा। सरकार ने अपनी याचिका में धनराशि जारी करने का निर्देश देने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सरकार का तर्क है कि बजट विधिवत पारित किया गया, लेकिन धनराशि जारी नहीं की जा रही है।

छोटे मूसेवाला के जन्म पर केंद्र सरकार ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता):- दिवंगत पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने 58 साल की उम्र में आईवीएफ के जरिए एक बच्चे को जन्म दिया है। वहीं बीच नया विवाद खड़ा हो गया हैं। बता दें केंद्र सरकार ने नोटिस जारी कर पंजाब सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल, सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने आईवीएफ तकनीक के जरिए बच्चे को जन्म दिया है। इस बीच केंद्र सरकार ने पत्र जारी कर प्रेग्नेंसी रिपोर्ट की मांग की है। पत्र में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एक्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि आईवीएफ तकनीक के जरिए गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने के लिए किसी भी महिला की उम्र 21 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। लेकिन 58 साल की उम्र में सिद्धू की मां गर्भवती हो गई और उन्होंने इस तकनीक के जरिए बच्चे को जन्म दिया। केंद्र ने इस नियम के उल्लंघन की जांच के बाद कार्रवाई का आदेश दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिद्धू मूसेवाला के परिवार से लेकर पंजाब सरकार तक से जवाब मांगा है। केंद्र सरकार के पत्र में एआरटी रेग्युलेशन एक्ट का जिक्र किया गया है। इस सबके बाद सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने इसकी निंदा की है। इस मुद्दे पर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार सफाई दे रही है कि यह पत्र केंद्र सरकार की ओर से जारी किया गया है। आम आदमी पार्टी ने अफवाहों से सावधान रहने की अपील की है। हालांकि, एसएसपी मानसा डॉ. नानक सिंह ने कहा कि उनके परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं, जिसके चलते वह खुद परिवार से मिलने आए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल से पूछा समन पर पेश नहीं होने का कारण, ईडी से भी मांगा जवाब

एजेंसी

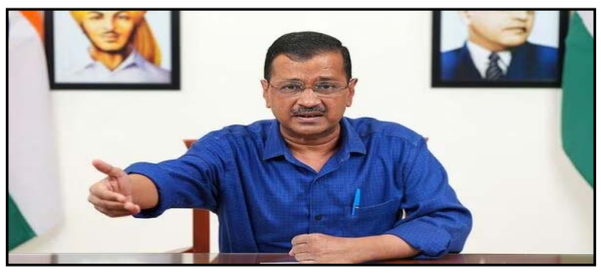

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता) दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय से रुख पूछा, जिसमें उन्होंने उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े धन शोधन मामले में उन्हें जारी समन को चुनौती दी है। साथ ही कोर्ट ने पूछा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल क्यों समान के बावजूद पेश नहीं हो रहे हैं। जांच एजेंसी ने दावा किया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक की याचिका, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भी चुनौती दी गई है, सुनवाई योग्य नहीं है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस पहलू पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए ईडी को दो सप्ताह का समय दिया। केजरीवाल ने नवीनतम समन के मद्देनजर अदालत का रुख किया है, ईडी द्वारा जारी नौवें समन में उनसे पीएमएलए के प्रावधानों के तहत पूछताछ के लिए 21 मार्च को पेश होने के लिए कहा गया है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एएम सिंघवी ने कहा कि याचिका में कई मुद्दे उठाए गए हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या कोई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के दायरे में आता है। अदालत ने आप नेता से यह भी पूछा कि वह समन के बाद पेश क्यों नहीं हो रहे हैं। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने कहा कि इस मामले में दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव नजदीक होने पर उसे पकड़ने की एजेंसी की स्पष्ट मंशा है। केजरीवाल ने बार-बार इन समन को अवैध बताते हुए उनके जवाब में पेश होने से इनकार कर दिया है। यह मामला 2021-22 के लिए शहर सरकार की उत्पाद शुल्क नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया था। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की सिफारिश के बाद, सीबीआई ने कथित भ्रष्टाचार पर एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसके परिणामस्वरूप मनी लॉन्ड्रिंग जांच हुई। एजेंसियों ने दावा किया है कि उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गई और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। मामले में आप नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह न्यायिक हिरासत में हैं। उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र में केजरीवाल के नाम का कई बार उल्लेख किया गया है।

भाजपा संगठन की बैठक में कार्यकर्ताओं में भरा गया उत्साह

संवाददाता

लालगंज, रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरेनी विधानसभा के लालगंज , गेगासो ,डलमऊ मंडलों की बुलाई गई बैठक में शक्ति केंद्र और बूथ की बैठके तय हुई। इस मौके पर बोलते हुए विधानसभा प्रभारी सुरेंद्र बहादुर सिंह में कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह भरते हुए कहा कि हम सबको राष्ट्रवाद और विकास के नारे को लेकर जनता के बीच जाना है। जनता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से सरकार बनाने के प्रति अंडर करंट है जिसे बूथ तक पहुंचाने का काम करना है। वहीं विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड की तरह कार्य करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि हम सब कार्यकर्ताओं की बदौलत ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 के पार का लक्ष्य हासिल होगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, जगन्नाथ पांडे , राम प्रकाश सिंह ,संतोष पांडे, संतोष सिंह, सुनील मिश्रा राजेश निर्मल आलोक तिवारी आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रंगभरी एकादशी — हनुमानजी महाराज के निशान को लेकर निकाली गई शोभायात्रा

अयोध्या में साधु-संतों ने जमकर खेली होली

संवाददाता

अयोध्या, 20 मार्च (नवसत्ता)। योगी सरकार बनने के बाद अपनी धरोहर अपनी आस्था को पुनः सम्मान मिल रहा है। श्रीराम की नगरी में बुधवार को संतों-महंतों के बीच रंगभरी एकादशी को लेकर उत्साह का बेमिसाल माहौल देखने को मिला। योगी सरकार के द्वारा संतो महंतों को मिलने वाली सुरक्षा से साधु संत खुलकर इस त्यौहार का आनंद लेते दिखे। अयोध्या में होली से पांच दिन पहले ही रंगोत्सव का त्यौहार रंगभरी एकादशी से शुरू हो गया। प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहली रंगभरी एकादशी बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। रंगभरी एकादशी को हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमान जी को गुलाल लगाने के साथ उत्सव का आरंभ हुआ। अखिल भारतीय निर्वाणी अखाड़ा हनुमानगढ़ी के 500 संतों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। इससे पहले संतों ने हनुमान जी के निशान की पूजा की। इभी संतों ने होली खेलते हुए अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा की। ब्रह्ममुहूर्त में ही रामनगरी के 10 हजार से अधिक मंदिरों के गर्भगृह में विराजमान भगवान की राग-भोग आरती, साज-सज्जा के साथ उनके गाल पर गुलाल लगाया गया। यही नहीं अवध में होली के आगाज पर मंदिरों में आने वाले भक्तों को भी प्रसाद के रूप में गुलाल लगाया गया। अबीर से सराबोर हुई रामनगरी की संस्कृति का उल्लास और भी चटख हो चला। फाल्गुन शुक्ल एकादशी मतलब रंगभरी एकादशी पर्व से अवध की होली का विधिवत शुभारंभ होता है। रंगभरी एकादशी के पर्व पर रामनगरी में संतों-महांतों ने अपने आराध्य के प्रति अनुराग प्रकट करते हुए अबीर-गुलाल उड़ाकर प्रभु के साथ होली खेली। हनुमानगढ़ी परिसर में रंगभरी एकादशी पर श्रद्धा अपने चरम पर दिखी। इस मौके पर धार्मिक नगरी अयोध्या कि सड़कें अबीर और गुलाल से रंगी नजर आई। परम्परागत रूप से कड़ी सुरक्षा में प्रमुख सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी से संतों का जुलूस अयोध्या की सड़कों पर निकला। संतो ने ढोल की धुन पर जमकर नृत्य किया तथा अखाड़ों के पहलवानों ने अपनी शौर्य कला का भी प्रदर्शन किया हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने बताया कि सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी से नागा साधुओं के साथ हनुमान जी का निशान लेकर रंगभरी एकादशी के मौके पर हम लोग पंचकोश की परिक्रमा करने के लिए निकले।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता

अमेठी, 20 मार्च (नवसत्ता)। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में 01 से 30 अप्रैल 2024 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 से 30 अप्रैल 2024 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर अंतर्विभागीय समन्वय की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुड़े मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे ब?ाया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 01 से 30 अप्रैल 2024 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 01 अप्रैल से पहले संचारी रोग नियंत्रण के सम्बन्ध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। साप्ताहिक बन्दी के दौरान स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जाए। तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण ठीक ढंग से किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निगरानी समितियां डोर-टू-डोर सर्वे करें और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित है, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। साथ ही, महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।

किसी भी मतदाता को वोटर लिस्ट से वंचित न रखा जाए: जिलाधिकारी

संवाददाता

अमेठी, 20 मार्च (नवसत्ता)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत ने आर0आर0 पीजी कॉलेज अमेठी में विधानसभा अमेठी क्षेत्रांतर्गत विगत चुनाव में जिन मतदान केंद्रों पर 50त्न से कम मतदान हुआ था वहां के बीएलओ /सुपरवाइजर के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बताते चलें कि विगत चुनाव में विधानसभा अमेठी अंतर्गत 210 मतदान केंद्रों पर 50त्न से कम मतदान हुआ था जिसको लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ व सुपरवाइजर के साथ बैठक कर आने वाले लोकसभा चुनाव में अपने-अपने बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि किसी भी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने से छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद हमें लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान करने का अधिकार मिला है इसे यूं ही व्यर्थ न होने दें, नामांकन के आखिरी दिन तक मतदाता सूची में नाम जोड़ा जा सकता है, मतदाता सूची को पढ़ लें उसमें जो त्रुटियां हैं उसे ठीक कर ले। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी है कि मतदाता सूची से किसी वोटर का नाम छूटने न पाए, आपके क्षेत्र में जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में अभी तक जुड़ा नहीं है उनका नाम जोड़ दें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची जितनी स्वच्छ व पारदर्शी होगी चुनाव उतना ही अच्छा होगा साथ ही मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में किसी भी वोटर का नाम मतदाता सूची से छूटने न पाए इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी बीएलओ को मतदान से पहले शत प्रतिशत मतदान पर्ची का वितरण करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि मतदान पर्ची सीधे परिवार के किसी सदस्य को दी जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में 20 मई को मतदान होना है उस समय भीषण गर्मी होगी सभी बूथों पर पीने का पानी, छांव की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए तथा 20 मई को मतदान के दिन बुलावा टोली के माध्यम से सभी मतदाताओं को मतदान केंद्र तक ले जाने का प्रयास किया जाए। जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा मतदाताओं को मताधिकार करने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा जनपद की सभी विधानसभाओं में पत्र जारी कर लोगों से आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील भी की गई है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी अमेठी प्रीति तिवारी, तहसीलदार अमेठी सहित बीएलओ व सुपरवाइजर मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

अमेठी, 20 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से परिवहन विभाग द्वारा निकाली गई बाइक रैली को जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली कलेक्ट्रेट परिसर से चलकर गौरीगंज कस्बे में विभिन्न स्थानों में भ्रमण कर लोगों को आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया। रैली में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने स्वयं बाइक चलाकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर उक्त के अतिरिक्त एआरटीओ प्रशासन व प्रवर्तन सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

सरकारी अवकाश घोषित

अमेठी, 20 मार्च (नवसत्ता)। जिला जज/विशेष कार्याधिकारी कृष्ण पाल सिंह ने बताया कि मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा निर्गत कैलेण्डर वर्ष-2024 में उल्लिखित प्रस्तर-3 व प्रस्तर-7 में दिये गये निर्देशानुसार स्थानीय अवकाश व अतिरिक्त अवकाश घोषित किये गये है। उन्होंने बताया कि घोषित स्थानीय अवकाश के तहत मंगलवार 26 मार्च होली, शुक्रवार 09 अगस्त नागपंचमी, सोमवार 19 अगस्त रक्षाबंधन, गुरूवार 31 अक्टूबर छोटी दीवाली/नरक चतुर्दशी व सोमवार 04 नवम्बर भाईदूज/चित्रगुप्त पूजा) व द्वितीय शनिवार/रविवार के एवज में अतिरिक्त अवकाश रहेगा।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिलगी में आयोजित हुआ उमंग उत्सव

संवाददाता

रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। इंजीनियरिंग व प्रबंधक कॉलेजों की तरह ही परिषदीय विद्यालयों में भी उमंग उत्सव का आयोजन हो रहा है। अमावां ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिलगी में उमंग-2 का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों की प्रस्तुती देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गए। उमंग उत्सव के साथ ही 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने जा रहे प्रधानाध्यापक शफीर्कुरहमान उर्फ गुड्डू मास्टर का सम्मान विद्यालय परिवार और बच्चों की तरफ से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि फरजाना और विशिष्ट अतिथि आरएसएम के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह और एआरपी रितेश सिंह रहे। पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर करने वाला कई गीतों पर एक डांस प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के छात्रों की तरफ से श्वसन तंत्र, पाचन तंत्र और उत्सर्जन तंत्र के बारे में चार्ट के माध्यम से विस्तार से बताया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सहित सभी अध्यापकों से 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने जा रहे इंचार्ज प्रधानाध्यापक शफीर्कुरहमान उर्फ गुड्डू मास्टर के दीर्घायु की कामना के साथ ही साथ हमेशा स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मीना मंच की सुगमकर्ताओं को प्रमाणपत्र एआरपी रितेश कुमार की तरफ से दिया गया। वहीं, संकुल बल्ला में निपुण घोषित होने वाले एकमात्र कम्पोजिट विद्यालय गोहन्ना के स्टॉफ का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संकुल बल्ला नोडल नीरज कुमार ने किया। इस मौके पर राम प्रकाश अवस्थी, राजेंद्र सिंह, सुधीर हेमलता त्रिवेदी, मनोज, रामभरत राजभर, कृष्णशंकर यादव, अनीता गरिमा सिंह, करुणा यादव, ऊषा देवी प्रभा गुप्ता, प्रेरणा अहिरवार आदि लोग मौजूद रहे।

उर्वरक, बीज व कीटनाशी लाईसेंस के लिए आनलाईन करें आवेदन

संवाददाता

रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। जनपद के समस्त उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी लाईसेंस धारकों एवं प्राधिकार पत्र/लाईसेंस लेने हेतु इच्छुक आवेदकों को एतद् द्वारा अवगत कराया जाता है कि उक्त लाईसेंस आनलाईन पोर्टल के माध्यम से निर्गत किये जाते हैं। उर्वरक एवं कीटनाशक के नए प्राधिकार पत्र/लाईसेंस तथा बीज लाईसेंस यू.पी. पोर्टल के माध्यम से निर्गत किये जाते हैं तथा इसी पोर्टल के माध्यम से उर्वरक एवं बीज के प्राधिकार पत्र/ लाईसेंस नवीनीकृत भी किया जाता है। कीटनाशी लाईसेंस में नवीनीकरण की की व्यवस्था नहीं है।

इसका लाईसेंस केवल एक बार ही निर्गत किया जाता है। उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी के प्राधिकार पत्र/लाईसेंस जारी करने की संपूर्ण प्रक्रिया आवेदन से लेकर लाईसेंस जनरेशन तक आनलाईन है। इच्छुक आवेदनकर्तओं द्वारा इसे घर बैठे ही प्राप्त किया जा सकता है तथा कार्यालय आने की कोई आवश्यकता नहीं है। संज्ञान में आया है कि कतिपय व्यक्तियों द्वारा व्हाट्सअप समूहों एवं समाचारों में बीज, उर्वरक, कीटनाशी लाईसेंस के जारी होने के संदर्भ में असत्य एवं भ्रामक खबरें प्रचारित करायी गयी हैं जोकि पूरी तरह बेबुनियाद है। उपरोक्त के अतिरिक्त यदि बीज, उर्वरक, कीटनाशी लाईसेंस हेतु किसी जानकारी हेतु संपर्क करना आवश्यक है तो कार्यालय के अधिकृत व्यक्तियों से संपर्क किया जाये। यहां पर यह भी अवगत कराना है कि उर्वरक के फुटकर एवं थोक विक्रय के नये एवं नवीनीकरण लाईसेंस हेतु क्रमशः रू.-1251.00 एवं रू.-2251.00, बीज के नये एवं नवीनीकरण लाईसेंस हेतु क्रमशः रू.-1000.00 एवं रू.-500.00 फीस निर्धारित है।

आरेडिका के मुख्य सामग्री प्रबंधक की हुई धूमधाम से विदाई

पूर्व रेलवे (ईआर)में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक के पद पर हुई है पदोन्नति

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। प्रमोशन आदेश आने के उपरांत पूर्व रेलवे मे प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक का पदभार संभालने के लिए भंडार विभाग आरेडिका में वर्ष 2017 से कार्यरत मुख्य सामग्री प्रबन्धक संदीप शुक्ला ने 20 मार्च 2024 को अपना कार्यभार छोड़ दिया। भंडार विभाग के परचेज सेक्शन के कर्मचारियों द्वारा आयोजित विदाई समारोह में बोलते हुए मजदूर संघ के अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल ने कहा कि संदीप शुक्ला की कुशल कार्यशैली और समग्र ज्ञान की रेल कोच के भंडार विभाग को विकास के पथ पर लगातार बनाए रखा और सदैव रेल कोच के हित के साथ-साथ कर्मचारी से भी उनका मेलजोल सराहनी रहा। सीडीएमएस प्रतीक गुप्ता ने संदीप शुक्ला के कर्मचारियों के प्रति उदार स्वभाव तथा एक मैनेजर के रूप में कुशल नेतृत्व का उल्लेख किया। वास्तव में मुख्य सामग्री प्रबंधक के पद पर जब संदीप शुक्ला ने मॉडर्न कोच फैक्ट्री में कार्यभार संभाला वैसे ही इस कोच फैक्ट्री का कोच उत्पादन का लक्ष्य दुगना हो गया जो 700 कोचो से 1400 कोच हो गया था। अपने कुशल नेतृत्व के द्वारा ही उस समय संदीप शुक्ला ने कोचो के उत्पादन के लिए सामग्री उपलब्ध कराई थी। विदाई समारोह में उप मुख्य सामग्री प्रबंधक मुख्यालय दीपक कुमार, वरिष्ठ सामग्री प्रबंधन अशोक कुमार, सहायक सामग्री प्रबंधन गणेश दत्त, सीडीएमएस अरशद अली, भूपेंद्र पाल सिंह,रोहित कुमार, कपिल कुमार जमील अख्तर, चेतन श्रीवास्तव सोनू सिंह में वरिष्ठ कार्यालय अधीक्षक विकास चौधरी, पूनम यादव,डीएमएस संजय कुमार अनिमेष त्रिपाठी आदि भंडार विभाग के सभी कर्मचारियों ने संदीप शुक्ला को शुभकामनाएं दी।

बेदखली

मैं सन्तोष पुत्र रामनाथ नि. ग्राम फुलवारी, पो.कुरौली बुधकर थाना-गदागंज, पर. तह. डलमऊ, जि.-रायबरेली का निवासी हूं, अपने पुत्र अंकित व पुत्र बधू अर्चना के गलत कृत्यों से क्षुब्ध व परेशान होकर जो आये दिन मारपीट, गाली गलौज आदि करते हैं। जिससे क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। तथा आज की तारीख से अंकित व पुत्र बधू अर्चना के द्वारा किये गये कृत्य व लेनदेन से मेरा कोई संबंध नहीं है।

बेदखली

मैं बिटाना देवी पत्नी स्व. रामबहादुर नि. करौली बुधकर, दाऊदपुर गड़ई, थाना-गदागंज, पर. तह. डलमऊ, जि.- रायबरेली की निवासिनी हूं, अपने बड़े पुत्र जितेन्द्र मौर्या व उसकी पत्नी प्रियंका मौर्या के गलत कृत्यों से क्षुब्ध व परेशान होकर जो आये दिन मारपीट, गाली गलौज आदि करते है। जिससे क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूं। तथा आज की तारीख से बड़े पुत्र जितेन्द्र मौर्या व उसकी पत्नी प्रियंका मौर्या के द्वारा किये गये कृत्य व लेनदेन से मेरा कोई संबंध नहीं है।

सपा ने किया रोहनिया बूथ स्तरीय बैठक का आयोजन

रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। समाजवादी पार्टी विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के रोहनिया बूथ स्तरीय बैठक का आयोजन पार्टी कार्यालय ऊंचाहार में आयोजित की गयी। बैठक में बूथ एवं सेक्टर स्तर के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभायी बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीड़ है ऊंचाहार विधान सभा में कार्यकर्ताओं की मेहनत से समाजवादी पार्टी ने लगातार बेहतर परिणाम दिये है आने वाले लोक सभा चुनाव में इन्हीं संघर्षशील एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की बदौलत समाजवादी पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी को रिकार्ड वोटों से इस विधान सभा से जितवाने का काम करेंगे समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति निष्ठा एवं समाजवादी पार्टी की विचाराधारा पर कार्य करते रहे है। अवसरवादी लोगों के पार्टी से धोखा देने का उचित जवाब आगामी लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में इस विधान सभा क्षेत्र में मिलेगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने सदैव अन्याय के खिलाफ पीड़ित शोषित लोगों की मदद करने का काम किया है परन्तु इस क्षेत्र के विधायक पार्टी को धोखा देने का काम किये है जिसे समाजवादी नीतियों को मानने वाले इस क्षेत्र के किसान मजदूर, युवा, व्यापारी, छात्र, बेरोजगार अपने समर्थन एवं वोट की ताकत से जवाब देने का काम करेंगे। नेता आते जाते रहे हैं परन्तु जनता ऐसे आयाराम गयाराम को आइना दिखाने का काम करेगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष जगदेव ने कहा समाजवादी पार्टी ने जिन्हें पहचान दी नगर पालिका एवं विधान सभा का चुनाव लड़ाया सरकार में मंत्री बनाया विपक्ष में रह कर भी दल का मुख्य सचेतक बनाया परन्तु लोभ एवं लालच में क्षेत्र की जनता के समर्थन को ठुकरा कर पार्टी के साथ विश्वासघात किया है।

अच्छे अंक प्राप्त करने के साथ ही सामाजिक कार्यों के प्रति भी सजग रहें छात्र: सुनील सिंह

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। नगर के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। बच्चे रिपोर्ट कार्ड पाकर हर्षित और प्रफुल्लित नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ हुई। विद्यालय की वरीयता सूची में स्थान बनाने वाले प्ले ग्रुप से कक्षा 9 व कक्षा 11 के मेधाविवों को प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

विद्यालय प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने अभिभावकों से विचार विमर्श करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से ही विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय प्रबंधन आपके पाल्यों के चतुर्मुखी विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। आप सभी से यह अपेक्षा की जाती है कि अपना सहयोग इसी तरह से विद्यालय के प्रति बनाए रखें। साथ ही अपने पाल्यों की दैनिक क्रियाकलापों के प्रति भी नजर बनाए रखें। छात्रों को आगाह किया कि मोबाइल का प्रयोग आवश्यक काम के लिए ही किया जाए अनावश्यक रूप से मोबाइल का उपयोग छात्र जीवन के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। छात्र जीवन में सिर्फ अच्छे अंक प्राप्त करना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि सामाजिक कार्यों में भी सहभागिता सुनिश्चित करना चाहिए। इस पर आप सभी लोगों को ध्यान देने की जरूरत है।

प्रबंधक शांतनु सिंह ने इस अवसर पर अभिभावकों से विचार विमर्श करते हुए कहा कि आपने जिस उद्देश्य हेतु अपने पाल्यों का प्रवेश बीएमपीएस में कराया है विद्यालय हमेशा ही आपकी अपेक्षाओं में खरा उतरा है और भविष्य में भी खरा उतरेगा ऐसा हम विश्वास दिलाते हैं।विद्यालय के प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने इस अवसर पर सत्र 2023-24 की स्कूल की वरीयता सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में और ऊंचाइयों पर पहुंचने की शुभकामना दी।साथ ही जो छात्र सूची में स्थान बनाने में सफल नहीं हो पाए उन्हें और अधिक मेहनत करने की सलाह देते हुए भविष्य में अपेक्षित परिणाम मिल सके इसके लिए प्रेरित किया।पूरे साल सर्दी गर्मी बरसात की परवाह न करते हुए स्कूल में 100त्न उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्र-छात्राओं को भी विद्यालय प्रबंधन ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उपस्थित अभिभावकों ने भी विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था और अनुशासन की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक श्रवण तिवारी ने किया।

प्राथमिक विद्यालय डिडौली की प्रधानाध्यापक सम्मानित

संवाददाता

रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। जिले के आदर्श विद्यालयों में से एक प्राथमिक विद्यालय डिडौली की प्रधानाध्यापक नरजिस फात्मा बेग का सम्मान किया गया। 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने जा रही प्रधानाध्यापक का सम्मान विद्यालय परिसर में संकुल हरदासपुर के सभी शिक्षकों द्वारा किया गया। बच्चों की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर आरएसएम के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शशि प्रकाश श्रीवास्तव जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश सिंह, एआरपी अब्दुल मन्नान, जेपी रावत, अध्यापक जयकरन वर्मा, पंकज कुमार श्यामलली, शशि देवी, शालिनी सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

No. 3

IN THE COURT OF DR ANUPAMA GOPAL NIGAM

Principal Judge Family Court RaeBareli.

SUMMONS TO APPEAR IN Matrimonial Case/650/2023

PERSON DIVAKAR Vs PRANSHI

(O.5; R.3.) NEXT DATE : 10-04-2024

TO;

PRANSHI

Father-DESHRAJ CHAUDHARI

NARENDRAPUR POST BHEEMGANJ PS/ TEHSIL DALMAU DIST. RAEBARELI; UTTAR PRADESH

Whereas DIVAKAR has imstiuted a suit against you for Restitution of conjugal rights you are hereby summoned to appear in this Court in person on the 10-04-2024 at 11:00 o"clock in the forenoon to answer the claim; and you are direted to produce on that day all the document upon which you intend to rely in support of your defence.

Take notice that in default of your appearance of the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and the seal of the Court; this 04-03-2024

Principal Judge Family Court

व्यापारियों ने प्रभारी निरीक्षक से की शिष्टाचार भेंट

रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल डीह के अध्यक्ष पवन अग्रहरि के नेतृत्व में व्यापारियों के

एक प्रतिनिधि मण्डल ने प्रभारी निरीक्षक थाना डीह अरविन्द सिंह को पुष्प गुच्छ भेंटकर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान व्यापारियों ने प्रभारी निरीक्षक को व्यापारिक समस्याओं से भी अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक अरविन्द सिंह ने विश्वास दिलाया कि व्यापारियों को व्यापार करने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होने पायेगी और किसी भी कीमत में व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिव प्यारे अग्रहरि, नन्द कुमार पाल, मो0 चाँद, हरिओम अग्रहरि, चन्दन, दिनेश पाल, अजय रावत आदि तमाम पदाधिकारी रहे।

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत तामामऊ, वि.ख. तिलोई, जिला-अमेठी

पत्रांक-मेमो/मनरेगा/2023-2024 **दिनांक-20-03-2024**

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सभा तामामऊ वि.ख. तिलोई जनपद-अमेठी में कराये जाने वाले निम्न कार्य हेतु वित्तीय स्वीकृत प्रत्याशा में सामाग्री आपूर्ति किये जाने हेतु अनुभवी व पंजीकृत फर्मों से सील बन्द कोटेशन सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा आमंत्रित किए जाते हैं। निविदा प्रपत्र कार्यालय से प्रकाशन की तिथि 21-03-2024 से 27-03-2024 के मध्य आमंत्रित की जाती है। यह निविदायें सील बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय में दिनांक 27-03-2024 तक अपराह्न 1:00 बजे तक जमा की जायेगी एवं उसी दिन अपराह्न 3:00 बजे निविदायें अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित टेंडरदाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाएंगे।

कार्य का विवरण-

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में	सामग्री का नाम
1-	इ.ला. निर्माण-रामसेवक के घर से पक्की सड़क तक।	621122.00	इ. ईंट, ब्रिक ईंट, जीरा गिट्टी, सीमेंट, मौरंग, लोकल बालू।

निविदा की शर्तें-1.सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी।
2- सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर समय से करनी होगी।
3-आपूर्ति की सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप होनी चाहिए।
4- आपूर्तिकर्ता को पैन व टिन नंबर की छायाप्रति उपलब्ध कराना होगा।
5- किसी विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय अधोहस्ताक्षरी का होगा जो सभी पक्षों को मान्य होगा।

प्रधान/ सचिव
ग्रा.पं.- तामामऊ
वि. खं.-तिलोई, जनपद-अमेठी

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व0 उमाशंकर सिंह

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 20 मार्च (नवसत्ता)। ग्राम उत्तरागौरी में स्थित नर्सरी के प्रांगण में पूर्व एडीओ स्व.उमाशंकर सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर शान्ति भोज कन्या भोज व निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उपचार कर दवाएं वितरित कीं। पुण्यतिथि कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों समेत अन्य तमाम सम्भ्रांत नागिरकों ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला और नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

समाजसेवी बैसवारा डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना ने अपने सम्बोधन में कहा कि लालगंज की ग्राम पंचायत उत्तरागौरी के सामान्य परिवार में जन्मे स्व0 उमाशंकर सिंह ने अपनी वाणी व्यवहार, आचरण व कर्मठता से अच्छी ऊँचाईयों को छुआ ही नही बल्कि जनपद तक अपने क्षेत्र व गांव का नाम रोशन किया। समाजसेवी राजेश सिंह फौजी ने कहा कि उमाशंकर सिंह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। जहां वे एक अनुशासन प्रिय कर्मयोगी अधिकारी और सरल व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे वहीं समाजसेवी के रूप में भी उनकी बड़ी ख्याति थी। उनकी कमी समूचे क्षेत्र में खल रही हैं। वह गरीबों, पीड़ितों के साथ कन्धा से कंधा मिलाकर सदैव खड़े रहते थे। कन्या भोज के उपरांत उमाशंकर सिंह की पत्नी प्रेमवती सिंह ने कन्याओं और बच्चों को स्टेशनरी पेन, पेंसिल का सेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने पिता की पुण्यतिथि पर डा. वी.पी. सिंह ने कहा कि अपने पिता जी के पदचिन्हों पर चलकर गरीबों, पीड़ितों की सेवा ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

इस अवसर पर आदर्श कुमार भानु, डा.अमित सिंह, डा.नितिन त्रिवेदी, आशीष सिंह सेंगर, सिद्धार्थ त्रिवेदी, अनंत विजय सिंह, अमित गुप्ता, मोहित सिंह आदि सहित भारी संख्या में जनमानस मौजूद रहा।

बदायूं में डबल मर्डर के आरोपी साजिद के एनकाउंटर की होगी मजिस्ट्रेट जांच

संवाददाता

बदायूं , 20 मार्च (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुई दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या के आरोपी साजिद के एनकाउंटर की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। डीएम मनोज कुमार ने एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच के लिए आदेश दिए हैं। डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट से जांच कर 15 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी है। उधर, इस हत्याकांड के दूसरे आरोपी और साजिद के भाई जावेद का अब तक कोई पता नहीं चला है। उत्तर प्रदेश के बदायूं में दिल दहला देने वाले डबल मर्डर केस में नया मोड़ आ गया है। दो मासूम बच्चों की हत्या के आरोपी साजिद के एनकाउंटर की मजिस्ट्रियल जांच होगी। डीएम मनोज कुमार ने एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच के लिए आदेश दिए हैं। डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट से जांच कर 15 दिन में जांच की रिपोर्ट मांगी है। यूपी के बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या के आरोपी साजिद के एनकाउंटर की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। इस हत्याकांड के एक आरोपी साजिद के भाई जावेद का अब तक कोई पता नहीं चला है। उसकी तलाश में पुलिस की चार टीमें लगी हुई हैं. लेकिन अब तक वह पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। दरअसल, बदायूं जिला मुख्यालय के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के बाबा कॉलोनी में मंगलवार देर शाम मामूली विवाद में दो सगे भाइयों की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी जबकि हमले में तीसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस बीच पुलिस ने घटना के आरोपी को एक मुठभेड़ में मार गिराया था। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए साजिद के शव का पोस्टमार्टम बुधवार को हुआ था. बरेली परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉक्टर राकेश सिंह ने बताया कि साजिद इलाके में नाई की दुकान चलाता था और उसकी दुकान मृतक बच्चों के घर के काफी करीब स्थित है। उन्होंने बताया कि आरोपी घर में गया और पहले बच्चों की दादी से मिला और उसके बाद उसने दूसरी मंजिल पर जाकर तीनों बच्चों पर हमला किया जिसमें दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी साजिद ऊर्फ जावेद मौके से भाग गया। पुलिस ने उसका पीछा किया। वह शेखूपुर के जंगल में दिखाई दिया। आरोपी ने पुलिस पर फायर किया और फिर पुलिस की जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया और उसकी मृत्यु हो गयी. उन्होंने कहा कि घटना आपसी दुश्मनी के कारण हुई थी।

किताबों की कमी नही बनेगी बच्चों की पढ़ाई की बाधा

संवाददाता

कानपुर नगर, 20 मार्च (नवसत्ता)। , बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आने वाले नए सत्र की सभी तैयारियों को तेजी के साथ पूरा किया जा रहा है। शासन द्वारा कहा गया कि बच्चों की पढाई किसी भी प्रकार से बाधित न की जाये और सत्र शुरू होने के पहले सभी बच्चों के हाथों में किताबे और नई कॉपियां पहुंच जाये। नए सत्र में बच्चों को वितरण करने वाली किताबे पाठय पुस्तके पहले ही बीएसए कार्यालय गोविंद नगर पहुंचा दी गयी थी और अब मार्च के अंतिम सप्ताह में इन किताबो का बच्चों में वितरण किया जाना है।

कानपुर जिले के 1787 स्कूलों में आठवी तक की कक्षा में 1.73 लाख विधार्थी नामांकित है, जिनके लिए 13.10 लाख किताबों की मांग भेजी गयी थी। लगभग डेढ माह पहले ही किताबे गोविन्द नगर स्थित बीएसए कार्यालय में पहुंचा दी गयी थी, कुछ किताबे रह भी गयी थी वह भी समय से पहले पहुंचाने की बात कही गयी थी। शासन द्वारा कहा गया था कि किसी भी प्रकार से बच्चों की पढाई में बाधा नही आनी चाहिए।

किताबों के वितरण के लिए कार्ययोजना बनाई गयी। अब इस किताबों को खंड शिक्षा कार्यालयों में पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मार्च के अंतिम सप्ताह में खंड शिक्षा अधिकारी अपने स्तर से स्कूलों में किताबों का वितरण करायेगे।

शिकायत के बाद सड़कों से हटाई गई बिखरी बजरी

संवाददाता

कानपुर नगर, 20 मार्च (नवसत्ता)। यूं तो कानपुर की कई सडकों पर छोटे-बडे गडढे बने ही रहते है, बडी बात यह कि सम्बन्धित विभाग द्वारा समय पर मरम्मत का काम नही किया जाता और यदि किया भी जाता है तो वह इतना मानकविहीन होता है कि कुछ समय में ही सडक उखड जाती है और रास्ते पर बजरी फैल जाती है। शहर के कई क्षेत्रों में यह नजारा देखा जा सकता है। इसी प्रकार शहर की अति व्यस्त रोड मालरोड पर सडकों के उखडने के कारण बजरी बिखर गयी जो दो पहिया वाहनो के लिए खतरनाक बनी हुइ थी और विभागीय कर्मचारी व अधिकारियों का इस तरफ ध्यान नही दिया जा रहा था। माल रोड से पनचक्की जाने वाली सकड उखड जाने के कारण रास्ते में खतरनाक ढंग से बजरी बिखरी पडी थी, जिससे दुपहिया वाहनों को खतरा बना हुआ था। इस समस्या के सम्बन्ध में समाजसेवी चंदन राय गर्ग ने बताया कि यदि बजरी के कारण कोई वाहन स्पिल होता है तो वाहन चालक को गंभीर चोट आ सकती है और इसको लेकर उन्होने जिलाधिकारी को शिकायतपत्र दिया था। चंदन राय गर्ग ने बताया कि जिलाधिकारी ने समस्या को संज्ञान में लेते हुए तत्काल प्रभाव से नगर निगम के सम्बन्धित अधिकारियों को सडकों पर बिखरी बजरी हटाने का आदेश दिया। चंदन राय ने बताया कि अधिशासी अभियंता जोन-1 नगर निगम द्वारा उनके बजरी कहां बिखरी है इसकी जानकारी ली गयी, जिसकेक उपरांत सडकों से बजारी साफ कराने का कार्य कराया गया।

विवाहिता की मौत के बाद सास-ससुर को जिन्दा जलाया

संवाददाता

प्रयागराज, 20 मार्च (नवसत्ता)। मुट्ठीगंज में आग में जलकर तीन लोगों की मौत के मामले में मुहल्ले में सन्नाटा पसरा हुआ है। बेटी को मलाल है कि वह अपने सामने माता-पिता को जलते हुए देखती रही और उनको बचा नहीं सकी। देखते ही देखते दो परिवार खत्म हो गए। आंखों के सामने मम्मी -पापा के जिंदा जलने की कहानी बयां करते हुए शिवानी कांप उठती है। उसकी आंखों के सामने वह मंजर तैरने लगता है,जब वह आग की लपटों से घिरी अपनी मम्मी को बचाने की जद्दोजहद करती रही। वह बताती है कि भाभी के मायके वालों ने परिजनों को लकड़ी के पटरे से पीटा और फिर पेट्रोल छिड़ककर घर में आग लगा दी थी।शिवानी उस घटना की चश्मदीद है, जिसकी आंखों से सामने यह सब हुआ। मंगलवार की सुबह पूरा सत्तीचौरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। वहां पहुंचने पर व्यवसायी के घर के चारों तरफ रोड पर पुलिस बैरिकेडिंग कर दी गई थी। सिर्फ परिवार और मीडिया के अलावा अन्य किसी को जाने नहीं दिया जा रहा था। वहां पहुंचने पर देखा गया कि उनकी चारों बेटी एक दूसरे से लिपटकर रो रही थीं और कुछ महिलाएं उन्हें संभालने में लगी हुई थीं। घटना के बारे में पूछने पर शिवानी बताती हैं कि भैया अंशू चाचा राजू को लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गए। और उसी समय भाभी के मायके में भी फोन करके घटना की जानकारी दे दी गई।भैया थाने से रिपोर्ट दर्ज कराकर लौट नहीं पाए थे कि भाभी के मायके से करीब 50 लोग घर पर पहुंच आए और मोटी-मोटी लकड़ी से उन लोगों पर हमला बोल दिया। इस हमले में मम्मी का सिर फट गया। वह खून से लथपथ हो गई। वह लोग पापा-मम्मी दोनों को पीटने लगे। तब तक थाने से पुलिस आ गई और ऊपर कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतार कर नीचे गया गया। इसके बाद भाभी के मायके वालों ने घर के अंदर तोड़फोड़ करते हुए सबसे पहले ऊपर वाले कमरे में आग लगा दी। इस दौरान मैं, मां, चाची और पिता घर के अंदर फंसे ही रह गए। भाभी के मायके वाले बाहर निकले और बाइक से पेट्रोल निकाल कर घर में आग लगा दी। फिर, बाहर से शटर गिराकर बंद कर दिए। वह लोग जोर-जोर से जान बचाने के लिए चिल्लाने लगे। नीचे आग की इतनी तेज लपटें थीं कि वह लोग जान बचाने के लिए ऊपर भागने लगे। मेरे साथ पापा और चाची तो ऊपर चढ़ गए, लेकिन जब चार सीढ़ी बची रह गई तो मां वहीं बैठ गई।आग की लपट इतनी तेज थी कि उन्हें बर्दास्त नहीं हो रहा था। वह जलने की वजह से चीख रही थीं। उस समय बगल में चाची घर का शीशा तोड़कर मम्मी को वहां से बाहर निकलने के लिए गईं, लेकिन मम्मी नहीं उठ पाई। उस दौरान उनकी चाची भी जल गईं। उसके बाद वह और उनकी चाची बगल के छत पर कूद गईं। पापा को बुलाने लगीं, लेकिन पापा भी नहीं आ पाए। बोले बेटा मैं नहीं फांद पाऊंगा। इस दौरान पापा भी मम्मी को बचाने की कोशिश में जुट गए। घर में अंधेरा होने की वजह से दोनों मुझे दिखाई नहीं दे रहे थे। मम्मी के चिल्लाने की आवाज आ रही थी। मैं बोली मम्मी मैं तुम्हें लेने आ रही हूं। उसके बाद मैं वहां गई, लेकिन मेरे मम्मी-पापा वहां नहीं दिखे। दोनों ही मेरे आंखों के सामने जलते रहे और मैं उन्हें बचा नहीं पाई। यह कहते शिवानी अपने बड़ी बहन से लिपटकर जोर जोर से रोने लगी।राजेंद्र का चार मंजिला मकान था। चौथे मंजिल पर उनके बेटे व बहू रहते थे। अग्निकांड में घायल व्यवसायी की छोटी बेटी शिवानी रोते हुए अपना दर्द बयां किया। उसने बताया कि उसकी भाभी अंशिका हर रोज करीब तीन बजे चौथे मंजिल पर अपने कमरे में चली जाती थीं और वहां से रात आठ बजे नीचे उतरती थीं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस भी जरूरी

संवाददाता

लखनऊ, 20 मार्च (नवसत्ता)। आने वाला समय पूरी तरह से नई तकनीकी का है। इसमे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सबसे महत्वपूर्ण होगा। यह तकनीकी हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी। इससे शिक्षा भी अछूती नहीं रहेगी। शिक्षकों को तेजी से नई तकनीकी को अपनाने की जरूरत है। आज के दौर में छात्र तकनीकी के मामले में काफी अपडेट रहता है। ऐसे में शिक्षकों को आर्टिशियल इंटेलिजेंस को समझने के साथ ही इसके प्रयोग को प्राथमिकता देनी होगी। उक्त बातें डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय ने बुधवार को फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की ओर से आयाजित दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम रोल एंड इंपोर्टेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन मॉडर्न डे टीचिंग विषय के उद्घाटन में कही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को एआई को टूल्स के रूप में अपनाना होगा। इस तकनीकी के जरिये शिक्षक अपनी प्रतिभा को और भी अच्छे ढंग से निखार सकता है। कहा कि भविष्य में क्लासरूम कॉन्सेप्ट की जगह एआई के रूप में शिक्षण कार्य होने की संभावना है। ऐसे में आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस जरूरी है। बिना भावना के भाव की सही अभिव्यक्ति नहीं हो सकती। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स के हेड प्रो0 मानस पांडेय ने कहा कि हमारी परंपरा में शिक्षा बहुआयामी रही है। शिक्षक अपने ज्ञान को विभिन्न माध्यमों से छात्रों तक पहुंचाते रहे हैं। लेकिन अब दौर तेजी से बदलती नई तकनीकी का है।

देर रात घर में आग लगने से युवक की मौत

संवाददाता

कानपुर नगर, 20 मार्च (नवसत्ता)। सेन पश्चिम पारा क्षेत्र के एक गाव में कल की बीती देर रात अचानक एक घर में आग लग गयी। आग लगने की जानकारी न होने के कारण आग से भयावह रूप ले लिया और आग की चपेट में आकर दो युवको की जलने से मौत हो गयी। आग लगने का कारण पता नही चल सका। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरते हुए शव को पास्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा तहरीर के आधार पर कार्यवाही करने की बात कही गयी। जानकारी के अनुसार थाना सेन पश्चिम पारा के ग्राम कासीगंवा स्थित एक घर में कल की बीती रात 2 बजे अचानक आग लग गयी। आग कैसे लगी यह पता नही चला लेकिन आग के कारण 23 वर्षी राज पुत्र प्रेम कुमार की जलने से मौत हो गयी। आग की सूचना पर थाना प्रभारी व पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि आग में अनिल पुत्र स्व0 हरीराम उम्र 23 वर्ष तथा 22 वर्षीय राज पुत्र प्रेम कुमार की जलने से मृत्यु हो गयी। अनिल अपने मौसी के लडके राज के साथ अपने मकान में सोया हुआ था। अनिल गैस का काम करत था तथा राज मोटरबाईक बनाने का काम करता था। घटनास्थल पर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था हरीश चन्द्र व अन्य अधिकारी पहुंचे साथ ही फॉरेसिंक टीम ने जांच की। पंचायत नामा की कार्यवाही के उपरान्त शवों को पोस्टामर्ट के लिए मोर्चरी भेज दिय गया।

कोर्ट से स्टे के बाद भी शुरू कराया निर्माण कार्य

कोतवाली महमूदाबाद के सामने चंद्र जैन बनवा रहे थे दीवाल:पंकज

संवाददाता

महमूदाबाद,सीतापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद में कोर्ट में स्टे होने के बावजूद सुबह 5ः00 बजे लेबर व मिस्त्री लगाकर शुरू कर दिया गया निर्माण कार्य जब इस संबंध में विपक्षी पंकज कुमार पुत्र सियाराम निवासी बन्नी को पता चला तो पंकज आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य को रुकवा दिया।

पंकज कुमार ने बताया कि कोतवाली महमूदाबाद के सामने पड़ी जमीन का मुकदमा 3 साल से कोर्ट में विचाराधीन है, और पंकज ने यह भी बताया कि इस जमीन का स्टे आर्डर भी उसने ले रखा है। पंकज कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ दबंग और भू माफियाओं द्वारा उनकी अनुपस्थिति में कब्जा करना चाहा। पंकज ने चंद्र जैन का नाम बताते हुए कहा कि यह दबंग लोग कोर्ट में मुकदमा विचाराधीन होते हुए भी दीवाल बन रहे थे । पंकज कुमार ने उस जमीन पर गूलर का पेड़ होने की बात भी कहीं जो कि वर्तमान स्थिति में वहा नहीं है।

रंगभरी एकादशी पर निकली मां गौरा की पालकी

संवाददाता

वाराणसी, 20 मार्च (नवसत्ता)। रंगभरी एकादशी पर बुधवार को कांजीवरम साड़ी पहनी मां गौरा, बाबा विश्वनाथ के परंपरागत राजसी परिधान खादी, शिव व गौरा के शीश पर बंगीय देवकिरीट और अयोध्या व मथुरा के गुलाल के रंग में रंगी मां गौरा के गौने की पालकी निकली। काशी की गलियां हर हर महादेव के उद्घोष और डमरुओं की गर्जना से गुंजायमान हो उठीं। भोलेनाथ के भक्तों के कंधे पर रजत पालकी में बाबा के साथ माता पार्वती काशी विश्वनाथ धाम अपने ससुराल पहुंचीं। बाबा को गुलाल अर्पित करके भक्तों ने महादेव से होली खेलने की अनुमति मांगी। इसके बाद काशी की गलियों में गुलाल उड़ता दिखा और पूरी काशी की फिजा में होली का रंग घुल गया। श्री काशी विश्वनाथ धाम में मां पार्वती के स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। बाबा को अर्पित किया गया गुलाल व अबीर रंगभरी एकादशी से ही काशी होलियाना मूड में आ जाती है। बाबा विश्वनाथ व माता पार्वती के गौना से ही बनारस होली के रंग में डूब जाती है। अयोध्या से आया गुलाल व मथुरा के जेल में कैदियों द्वारा तैयार की गई खास हर्बल अबीर भी बाबा को अर्पित की जाती है। रजत पालकी पर बाबा और मां पार्वती के साथ पुत्र गणेश भी विराजमान थे। भक्त इस अद्भुत क्षण के दर्शन कर निहाल दिखे। काशी अपनी परंपराओं की जड़ों को हमेशा सींचती रहती है। सदियों पुरानी संस्कृति का जीवंत रूप काशी में रंगभरी एकादशी पर तब देखने को मिलता है, जब पूर्व महंत आवास (गौरा सदनिका) से श्रद्धालु पालकी में अपने कंधे पर लेकर माँ पार्वती का गौना लेकर कैलाश यानी श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचते हैं। इस लौकिक परंपरा के लोकाचार्य की शुरुआत कई दिनों से पूर्व महंत के आवास टेढ़ी नीम पर निभाई जाती है। जहां से काशीवासी बाबा के संग मां पार्वती की विदाई कराते हैं। रंगभरी एकादशी पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा महादेव एवं मां गौरा की शोभायात्रा मंदिर परिसर में धूमधाम से निकाली गई। मां के ससुराल आगमन की खुशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम में भी शहनाई बजी। पद्म श्री सुश्री सोमा घोष सहित अन्य ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या में शिवार्चनम प्रस्तुतियां की गई। बाबा के शयन आरती तक भजन, गीत, संगीत की सरिता में भक्त सराबोर दिखे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि संपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग धाम के यूट्यूब चैनल तथा फेसबुक लाइव से की गई। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया पर भी बाबा व मां गौरा से जुड़े कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण किया।

पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार, सोनू मिश्रा सहित कई लोगो पर लगे गंभीर आरोप

संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के विकासखंड व थाना रामपुर मथुरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत अटौरा गांव तिवारी पुर जाने वाला मार्ग रामपुर मथुरा से टिकटा होकर गोंदहा तिवारी पुर के पास स्थित उत्तर दिशा में गाटा संख्या 935 गणेश पुत्र राम किशोर तिवारी मृतक मिथलेश कुमारी पत्नी रामकिशोर तिवारी ने बताया की हम चार लोगो का हिस्सा था। जिसमे हम दो हिस्सा बेच दिए है सुमन पत्नी सुंदर प्रदीप पुत्र सुरजलाल लिलई पुर के नाम है पीड़ित ने यह भी बताया है कि मेरे एक भाई ने पहले ही बेंच दिया था गांव के रहने वाले सोनू मिश्रा पुत्र राजितराम, मंदीप मिश्रा, कुलदीप मिश्रा तिवारीपुर को अब दबंगई दिखा रहे है इधर नही उधर जमीन लेंगे सुमन ने बताया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में रहते थे समस्या होती थी आने जाने तो किसी तरह मजदूरी करके पैसे इक्कठा किया तब गणेश और उनकी मां की जमीन रोड से थी घर बनाने को लेकर लिया है कब्जा भी था पर विपक्षी आदि ने हमको परेशान कर रखा है जबकि बैनामा में फोटो भी लगा है । जब खरीदा था तब खेत में सरसों और जानवरों का चारा बोया था उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है बार बार पैमाइस करने के लिए आदेश होते है जबकि एक बार आदेश हो गया था और लेखपाल पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में लेखपाल जानबूझकर हमारे खेत तरफ नाप जोख करते है पीड़ित ने बताया है कि हम गरीब है इसलिए मेरी कही सुनवाई नहीं होती है जबकि भाजपा सरकार का दावा है कि गुंडई दबंगई करने वालो पर सख्त कार्यवाही हो किसी गरीब के साथ अन्याय न हो वही अधिकारी कर्मचारी सरकार को झूठा साबित करने में लगे हैं पीड़ित यह भी बताया कई बार अधिकारियों को लिखित शिकायत कर चुके है जबकि बैनामा है मेरे पास फिर भी हम गरीब को ही प्रताड़ित किया जा रहा है ।

इस प्रकरण को लेकर जब क्षेत्रीय लेखपाल नरेंद्र कुमार से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया की वही कार्यवाही किए है । जो राजस्व विभाग से सम्बन्धित है । जो आदेश उच्च अधिकारियों द्वारा मिलेगा वैसे ही कार्य करेंगे अब देखना यह है की पीड़ित को न्याय मिलता है या फिर सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाता रहेगा। या पीड़ित व्यक्ति न्याय पाने के लिए भाजपा सरकार में दर-दर की ठोकरे खाता रहेगा या उसको न्याय भी मिलेगा।

सम्पादकीय

सरकार बनाने में महिला मतदाताओं की होगी अहम भूमिका

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनावों में देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है।

अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीदवारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थीं वहीं गत 2019 के आमचुनाव में 78 महिला सांसद चुन कर आई। हालांकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है।

खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गांव हो या शहर महिलाएं अब घर की चाहर दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीदवारी भी जताती हैं तो चुनाव केंपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराती हैं। दूसरी और मतदान में आगे आकर हिस्सा लेने लगी हैं। पिछले चुनावों के आंकड़ों से यह सब साफ हो चुका है। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता है तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम है। कमोबेस यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनावों में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल गोवा बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी ओर नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रीपिट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनावों में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आत-आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनावों में महिलाओं द्वारा मोदी में विश्वास व्यक्त करने का आंकड़ा 36 प्रतिशत पहुंच गया। यानी कि 2019 के चुनावों में 36 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त मेजोरिटी प्राप्त हुई।

विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास होंगे। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसको दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम विगत चुनावों के परिणाम तो इसी ओर इंगित कर रहे हैं। खास तौर से आने वाले दिनों में चुनाव केंपेन महिला केंद्रीत हो तो इससे इंकार नहीं किया जा सकता। देश की विभिन्न प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनावों में हम यह साफ रूप से देख चुके हैं। केन्द्र सरकार की उज्ज्वला योजना, मध्यप्रदेश की लाडली योजना, लखपति लाड़ली योजना, महिला मुखिया को नकद राशि और मुफ्त बस यात्रा ने कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना में देखा जा चुका है।

अपनी बात

दारा शिकोह एक दीप स्तम्भ हैं

के. विक्रम राव

भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा अगर मगर है कि यदि समावेशी दारा शिकोह शाहजहां के बाद (31 जुलाई 1652) मुगल बादशाह बन जाता तो आज के भूगोल का पुराना इतिहास ही भिन्न होता। दरियादिल मुगल वली अहद मुहम्मद दारा शिकोह की सनातनी आस्था और जिज्ञासा एक बहुलतावादी भारत की बुनियाद बनाती।पाकिस्तान न बनता। जिन्ना इतिहास में उल्लिखित ही न होते। इस इस्लामी रियासत के नवाब जिन्ना न बनते। मगर प्रारब्ध बड़ा क्रूर निकला। होनहार ही ऐसा था।

आज के इस्लामी तनाव के परिवेश में दारा शिकोह बहुत याद आते हैं। उस मध्यकालीन दौर में यह मुगल युवराज वस्तुतः सेक्युलर था। सर्वधर्म अनुयायी था। मगर विषाद होता है कि आजाद भारत में जालिम औरंगजेब के नाम वाले रोड और लेन (28 अगस्त 2015) के दिन, 65–वर्ष देरी से, बदले गये। मगर दारा शिकोह के नाम पर प्रथम बार नयी दिल्ली में (फरवरी 2017) किसी मार्ग का नामकरण हुआ। वह ब्रिटिश गवर्नर जनरल लार्ड जेम्स डलहाउजी रोड था। यह उस व्यक्ति के नाम पर जिसने भारतीय रियासतों के शासकों के राज को हड़पने हेतु कानून बनाया था कि जो भी देशी राजा या रानी निसंतान मर जाते हैं उनकी रियासत साम्राज्य में विलय कर दी जायेगी। नतीजन झांसी का राज कब्जिया लिया गया था। दारा की अध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत महान सूफी संतों के संपर्क में आने से हुयी। वे मियां और मुल्लाशाह बदाक्षी के बहुत नजदीक थे। उन्होंने सूफीवाद का अध्ययन किया और कादिरी सूफी सिलसिला के सदस्य बने। वे मुल्लाओं के कटु विरोधी थे क्योंकि मुल्ला अक्सर इस्लाम की गलत व्याख्या कर धर्मान्धता और असहिष्णुता को बढ़ावा देते थे। सूफीवाद के उनके गहन अध्ययन से दारा शिकोह को यह अहसास हुआ कि ईश्वर के साथ एकाकार होने के लिए न तो हमें मुल्लाओं की जरुरत है और न ही कर्मकांडों की। जरुरत है तो केवल ईश्वर के प्रति प्रेम और उसके आगे निस्वार्थ भाव से समर्पण की। यहां उल्लेख हो अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का,जो आगरा न जाकर दारा की मजार पर ही क्यों गये थे? ओबामा युगल ने यह भी जता दिया कि वे पर्यटक नहीं हैं, हालांकि हर राज्य अतिथि द्वारा मलिका मुमताज महल का मकबरा देखना एक मनोरंजक रिवायत बन गई है। उस लीक से हटकर बराक ओबामा ने शाहजहां की इमारत के बजाय उनके परदादा की समाधि देखकर खण्डित उपमहाद्वीप के समाज को नये संकेत दिए हैं। लालकिला के प्राचीर पर ओबामा जा सकते थे। कुतुब मीनार की ऊंची, पुरानी चोटी को देख सकते थे। तो हुमायूं का मकबरा ही क्यों? गत दो दशकों तक जीर्णशीर्ण पड़े और विश्व धरोहर (1993) बनने के बाद से संवारे गये इस मकबरे को अपनी यात्रासूची में शामिल कर ओबामा ने परोक्ष पैगाम दिए हैं। दारा शिकोह यही दफन हैं। मकबरे में अतिथि रजिस्टर पर ओबामा ने लिखा भी कि- ''साम्राज्यों के पतन अभ्युदय के दौर में भारत विश्व में नई ऊँचाइयां छूता रहा।'' बराक और मिशेल ओबामा ने हुमायूं के मजार के निकट वाली कब्र गौर से देखी। वह उनके प्रपौत्र युवराज दारा शिकोह की है जो इतिहास का एक अत्यन्त त्रासद, कारुणिक पुरुष रहा।आज की काशी पर मुगलराज की जजिया के अलावा यात्रीकर भी लगता था। दारा शिकोह ने निरस्त कराया, जकात फिर औरंगजेब ने थोप दिया। दारा शिकोह का बनारस से बहुत लगाव था। वह बनारस के पंडितों का बहुत सम्मान करता था।

मुद्दा

रोकना होगा भूजल का मनमाना दोहन

अजीत रानाडे

भारी मात्रा में पानी का इस्तेमाल करने वाली गुजरात की एक फैक्ट्री के सामने एक समस्या थी गर्मी का मौसम आ रहा था। जितनी आपूर्ति होनी थी, वह नहीं हो पा रही थी। पानी कम खपत करने की कोशिशों के बावजूद पानी की बड़ी कमी थी, जिससे फैक्ट्री बंद हो सकती थी। ऐसे में प्रबंधक को लगभग 1500 रुपये प्रति 5000 लीटर की दर से पानी टैंकर खरीदने को मजबूर होना पड़ा। वह अधिक दाम देने को भी तैयार था। उसे हर दिन सैकड़ों टैंकर की जरूरत थी।

पड़ोस के किसानों के लिए यह अच्छी खबर थी, उनमें से अधिकतर के पास कुएं और पंपिंग सेट थे, जिनसे उनकी फसलों को पानी मिलता था। पर फैक्ट्री को पानी बेचना अधिक लाभप्रद था। ऐसे में फैक्ट्री भी अपने उत्पादन को जारी रखकर मुनाफा बना सकती थी और किसान पानी बेचकर अधिक कमाई कर सकते थे। लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह लाभदायक स्थिति नहीं है।

पहली बात तो यह है कि कोई भले अधिक दाम देने को तैयार है, पर भूजल का मनमाना दोहन नहीं किया जा सकता है। भूजल स्तर में कमी के सामाजिक घाटे की तुलना में निजी लाभ बहुत मामूली हैं। दूसरी बात फसलों से पानी को फैक्ट्री की ओर मोड़ना निजी तौर पर समझ की बात भले हो, पर सामाजिक रूप से इसे अधिक समय तक जारी नहीं रखा जा सकता। ऐसे में किसानों के पास कुएं होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें भूजल के अंतहीन दोहन का असीमित अधिकार है।

वैसे भी अनुदान के चलते मिलने वाली सस्ती बिजली से पानी निकालने में बहुत कम खर्च आता है। यह कहानी हजारों तरह से दोहरायी जा रही है। अगर धनी देशों के ग्राहक बासमती की अधिक कीमत देने लगें, तो क्या हम चावल का अंधाधुंध निर्यात कर सकते हैं? अगर किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलती हो, तो आम तौर पर फसलों के निर्यात पर लगे सभी अवरोध हटा दिये जाने चाहिए। पर तब इसका मतलब होगा पानी का निर्यात, भारत में जिसकी बड़ी कमी है। पिछले साल भारत ने 2.20 करोड़ टन चावल के निर्यात से लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा कमायी थी। लेकिन इसका अर्थ यह भी है कि कम से कम 88 लाख करोड़

लीटर पानी का निर्यात हुआ। हमारे देश में पानी के बड़े अभाव के कारण उस पानी की कीमत कमायी गयी विदेशी मुद्रा से कहीं बहुत अधिक है।

यही बात चीनी निर्यात के साथ भी लागू होती है। पानी की बड़ी खपत वाली फसलों को ऊंची कीमत पर बेचने का तर्क वैसा ही है, जैसा उद्योगों द्वारा निजी कुओं से पानी खरीदने का तर्क, जो असल में खेती के लिए है। हमें केवल 22 मार्च को मनाये जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर पानी की कमी पर विचार नहीं करना है। भारत के पास दुनिया के ताजे पानी का महज दो प्रतिशत हिस्सा है, पर वैश्विक जनसंख्या का 17 प्रतिशत भाग है। बेंगलुरु में काम छोड़कर एक बाल्टी पानी के लिए लोगों का लंबी कतार में खड़ा होना एक गंभीर चेतावनी है। कुछ साल पहले महाराष्ट्र के लातूर में रेलगाड़ियों से बहुत बड़ी मात्रा में पानी की कई खेप भेजनी पड़ी थी। कई बार थर्मल बिजली संयंत्रों को बंद करने की नौबत भी आ चुकी है क्योंकि मशीनों को ठंडा रखने के लिए समुचित पानी उपलब्ध नहीं था। ऐसी घटनाओं से 2017 और 2021 के बीच 8.2 टेरावाट घंटे की बिजली के नुकसान का अनुमान है, जो 15 लाख घरों की बिजली आपूर्ति के बराबर है। भारत और चीन जैसे देशों में खराब जल प्रबंधन से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सात से 12 प्रतिशत का नुकसान हो सकता है।

जब किसी देश में इस्तेमाल होने लायक पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1700 क्यूबिक मीटर से कम होती है, उसे जल दबाव वाला देश कहा जाता है। भारत में यह आंकड़ा 1000 से बहुत नीचे है जबकि अमेरिका में यह उपलब्धता 8000 क्यूबिक मीटर प्रति व्यक्ति है। भारत में 1951 में पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 3000 क्यूबिक मीटर से अधिक थी। स्पष्ट है कि पानी का यह दबाव आबादी बढ़ने की वजह से है। इसके साथ-साथ पानी आपूर्ति के मौजूदा स्रोतों की गुणवत्ता भी घटती गयी है। ऐसा समुचित जल शोधन नहीं होने तथा आर्सेनिक जहर जैसी चीजों के कारण हुआ है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने संसद को बताया था कि देश में भूजल में 230 जिलों में आर्सेनिक और 469 जिलों में फ्लोराइड पाया गया है। भूजल में प्रदूषण से पानी की कमी की समस्या और गंभीर हो जाती है। फिर भूजल के मनमाने दोहन ने स्थिति को विकट बना दिया है। अजीब है कि इसमें सस्ती या मुफ्त बिजली आपूर्ति से मदद मिलती है जिसका उत्पादन पानी की कमी से बाधित होता है। पानी की कमी की समस्या से निपटना हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सरकार के हर स्तर से लेकर समाज और परिवार तक प्रयास होने चाहिए। समाधान के लिए निम्न पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

सबसे पहले जल संरक्षण, जिसमें वर्षा जल संग्रहण भी शामिल है, होना चाहिए। फिर सही इस्तेमाल पर जोर दिया जाना चाहिए और अधिक खपत वाली फसलों से विमुख होना चाहिए या कम से कम तरीका बदलना चाहिए। तीसरी बात यह है कि पुनः उपयोग और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। पीने, खाना बनाने और नहाने के अलावा लगभग 90 फीसदी इस्तेमाल के लिए रीसाइकिल पानी काम में लाया जा सकता है। पुणे में ऐसे संयंत्र शुरू किये गये हैं, जिनसे लोग एक एप के जरिये रीसाइकिल पानी का एक टैंकर मुफ्त मंगा सकते हैं। चौथी बात, एक ठोस नीति और नियमन की आवश्यकता है। पांचवां पहलू है अच्छे जल प्रबंधन के लिए तकनीक का इस्तेमाल और जलाशयों को पुनर्जीवित करना। तमिलनाडु जैसे राज्यों में ऐसे प्रयास हुए हैं। पानी के संबंध में ही नहीं, प्लास्टिक का कम उपयोग या पटाखे नहीं चलाने जैसे मामलों में भी जन जागरूकता बढ़ाना बहुत प्रभावी हो सकता है। बच्चों को जागरूक करना दीर्घकालिक रूप से उपयोगी हो सकता है। हाल में एक विज्ञापन में बच्चों को गीत गाते हुए पानी निकालते दिखाया गया है, पर वहां पानी उपलब्ध नहीं है। यह जल संकट के प्रति आगाह करने के प्रभावी प्रचार का एक अच्छा उदाहरण है। इस विश्व जल दिवस के अवसर पर हम अपने सबसे कीमती संसाधन को बचाने का संकल्प दोहराना चाहिए।

राजनीति

अस्तित्व को बचाने के लिए मैदान में उतर रहे हैं कई राजनीतिक दल

नीरज कुमार दुबे

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए इस बार का आम चुनाव खास इसलिए है क्योंकि इसके परिणाम इन दलों के अस्तित्व के बचे रहने या खत्म होने का भी निर्धारण करने वाले हैं। जहां तक कांग्रेस की बात है तो भले वहां गांधी परिवार से अलग अध्यक्ष आ गया हो लेकिन पार्टी अब भी पूरी तरह गांधी परिवार के प्रभाव में काम कर रही है इसलिए तमाम प्रयास करने के बावजूद आगे नहीं बढ़ पा रही है। 2014 से कांग्रेस की हार का और नेताओं के पार्टी छोड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह अनवरत जारी है।

देखा जाये तो पिछले दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर बेहद मुश्किल माने जा रहे चुनाव में उतर रही है। इस चुनाव में उसके सामने अस्तित्व बचाने की कड़ी चुनौती है क्योंकि एक बार उसका मुकाबला एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से है। कुछ ऐसी ही चुनौती आम आदमी पार्टी, वाम दलों और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के लिए भी है। देखा जाये तो कांग्रेस का आजादी से पहले से लेकर पिछले दशक तक राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा दबदबा था, लेकिन कुछ वर्षों से वह लगातार सिमटती जा रही है। अब वह केवल तीन राज्यों कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में अपने दम पर सत्ता में है। यही नहीं, इस पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है कि क्या वह इंडिया गठबंधन की अगुवाई का दावा भी कर सकती है। देखा जाये तो केंद्र में नरेंद्र मोदी के रहते पिछला दशक 138 साल पुरानी पार्टी के लिए बहुत मुश्किल भरा रहा। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए आवश्यक सीटें भी हासिल करने में

विफल रही। कांग्रेस नेता पार्टी की गौरवशाली विरासत पर भरोसा करते हुए पतन के रुकने और फिर से खड़े होने की उम्मीद कर रहे हैं, हालांकि कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। कांग्रेस पार्टी ने पिछले चुनाव में लड़ी गई 421 सीटों में से केवल 52 सीटें हासिल कीं, जिससे 2014 की तुलना में उसकी संख्या में थोड़ा सुधार हुआ जब उसने लड़ी गई 464 सीटों में से 44 सीटें हासिल की थीं। 2014 में 178 के मुकाबले 2019 में 148 कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपनी जमानत गंवा दी। हम आपको बता दें कि वर्ष 1984 में कांग्रेस के लिए शिखर तब आया जब उसने रिकॉर्ड 404 सीटें जीतीं। हालांकि उस जीत में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर एक बड़ा कारक रही थी। इसके बाद 1989 के आम चुनाव में कांग्रेस को 197 सीट 1991 में 232, 1996 में 140 1998 में 141, 1999 में 114 2004 में 145 और 2009 में 206 सीटें मिलीं थीं। इसके बाद 2014 में कांग्रेस को 44 और 2019 के चुनाव में 52 सीटें मिलीं। वर्ष 2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए हल्की उम्मीद की किरण यह थी कि उसने अपना मत प्रतिशत लगभग 19 प्रतिशत पर बनाए रखा जिसे अब वह आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 2009 में, जब मनमोहन सिंह सत्ता में लौटे थे, तो पार्टी को 28.55 प्रतिशत मत मिले थे।

कांग्रेस में बिखराव का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। खास बात यह है कि इस बिखराव को रोकने के प्रयास भी नहीं किये जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिस दिन शुरू की थी उस दिन से कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या में निरंतर वृद्धि होती रही जोकि यात्रा के समापन के बाद भी जारी है। शायद कांग्रेस इस बात को समझ चुकी है कि परिणाम क्या रहने वाले हैं इसलिए चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत से पहले ही ईवीएम पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। वहीं विपक्ष के अन्य दलों की बात करें तो दिल्ली और पंजाब में सत्तारुढ़ 'आप' ने करीब एक दशक में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। वह आगामी लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदचिह्न का विस्तार करने की कोशिश करेगी। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी भी 'इंडिया' गठबंधन की एक प्रमुख घटक है। पार्टी बड़ी परीक्षा के लिए तैयार है और उसे अपने नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और आबकारी नीति घोटाला मामले में अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खतरे जैसी चुनौतियों से भी निपटना है। आप पंजाब (13 सीटें), दिल्ली (4), असम (2) गुजरात (2) और हरियाणा (एक सीट) में लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। 17वीं लोकसभा में केवल पांच सांसदों तक सीमित रही आप विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। 2019 के चुनावों में अब तक की सबसे कम संख्या हासिल करने के बाद इस आम चुनाव में उनके लिए करो या मरो की स्थिति है। दूसरी ओर वामपंथी दलों के लिए भी यह लोकसभा चुनाव अस्तित्व बचाने की चुनौती वाला है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने पिछले कुछ चुनावों में अपने प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखी है।

चिंतन

अति उत्साह में आकर भाजपा 2004 वाली गलती ना कर दे!

राकेश सैन

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ-साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की।

गजरात उड़ते-उड़ते कभी उल्टा पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु माहौल बदलते ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

देश में लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है।

इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी।

उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गांधी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

माना कि इस तरह की चेतावनी पहली बार नहीं दी जा रही और भाजपा नेतृत्व इस प्रकरण से कुछ सीखा नहीं होगा परन्तु इसके बावजूद भी पार्टी को संघर्ष के मार्ग को हर हालत में पकड़ कर रखना होगा।

वैसे भी मोदी शाह की जुगलबन्दी और अटल आडवाणी की जोड़ी की कार्यप्रणाली में गांधी जी व सरदार पटेल जैसी भिन्नता सर्वज्ञात है और विपक्ष की डांवाडोल हालत में 2004 दोहराया जाना फिलहाल सम्भव नहीं लगता परन्तु भाजपा को अपनी संघर्षमयी कार्यप्रणाली को बनाए रखना होगा।

देश में केवल भाजपा व वामदलों को ही कार्यकर्ता आधारित दल होने का श्रेय प्राप्त है। कार्यकर्ता के गुणों की पहचान, कार्यकर्ता निर्माण, उसे रुचि व क्षमता अनुसार काम और पूरा सम्मान व इसके साथ जनता से निरन्तर सम्पर्क भारतीय जनता पार्टी की प्रमाणिक कार्यप्रणाली मानी जाती है। पालने से लेकर पार्लियामेण्ट तक पार्टी इसी पद्धति से आगे बढ़ी है

। आज चाहे भाजपा को लक्ष्य सरल लग रहा है परन्तु मार्ग इतना भी आसान नहीं है कि लोकसभा में चार सौ सदस्यों को बिना संघर्ष किए शपथ दिलवाई जा सके। चाहे कांग्रेस कमजोर दिख रही है परन्तु तृणमूल कांग्रेस, सपा डीएमके, एआईएडीएमके, बसपा आम आदमी पार्टी, पीडीपी, नेशनल कान्फ्रेंस सहित अनेक क्षत्रप अपने अपने क्षेत्रों में मजबूती के साथ पांव जमाए हुए हैं। कहीं-कहीं इण्डिया गठजोड़ के प्लेटफार्म पर मिल कर ये सूबेदार भाजपा की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। दूसरी ओर विकसित और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ रहा भारत बहुत-सी शक्तियों के आंखों की किरकिरी बना हुआ है।

जो भारत दुनिया हथियारों की दुनिया का सबसे बड़ा आयातक था वो आज सैन्य सामग्री निर्यात करने लगा है, भला देसी-विदेशी शस्त्रलॉबी इसे कैसे बर्दाश्त कर सकती है? प्रतिबन्ध के बाद से देश में जिन लाखों विदेशी एनजीओ की दुकानदारी बन्द हो गई क्या वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाह रही होंगी? इन सबके मद्देनजर भाजपा को कार्यपद्धति पर चलते हुए पूरी शक्ति के साथ चुनावों में उतरना होगा और अनुकूलता के खतरों से सावधान रहना होगा।

कुछ-अलग

उत्तर प्रदेश की राजनीति में फरसा फिर से तैयार है

डा. ऋतु दुबे तिवारी

उत्तर प्रदेश को देश की राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहां की सियासत का सीधा असर केंद्र में देखने को मिलता है। गौरतलब बात ये है कि देश को प्रभावित करने वाली उत्तर प्रदेश कि राजनीति में ब्राह्मण वोटर्स की संख्या भले ही तकरीबन 12 फीसदी है लेकिन यह वर्ग प्रदेश की राजनीति को जबरदस्त प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

विधानसभा में करीब 115 सीटें ऐसी हैं, जिनमें ब्राह्मण मतदाताओं का अच्छा प्रभाव है। आश्चर्यजनक बात ये रही कि ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान हो चुका है उस समय भी उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों के मिज़ाज और समीकरण पर कोई बात नहीं हो रही थी। एक तरफ जहां भाजपा और इंडी गठबंधन दोनों में ओबीसी वोट की लड़ाई दिख रही थी तो दूसरी तरफ मायावती डीएम यानी दलित मुस्लिम समीकरण के भरोसे ही हैं। ऐसा उस राज्य में हो रहा है जहां 6 बार ब्राह्मण मुख्यमंत्री रहे हैं और 2022 के विधान सभा चुनाव में 52 ब्राह्मण विधायक बने थे। देखा जाए तो मंडल कमीशन के बाद से यूपी में दलित-ओबीसी राजनीति ने जोर पकड़ा और उसके बाद से अब तक कोई ब्राह्मण सीएम नहीं बन पाया लेकिन मतदाता के तौर पर इस जाति ने 90 के दशक के दौरान शुरुआती झटकों से उबरते हुए पुराना रसूख फिर से हासिल कर लिया है। यही कारण है कि मनुवाद का सीधा विरोध करने और मंडल कमीशन के बाद बदले सियासी माहौल में सत्ता पर काबिज होने वाली सपा और बसपा भी बाद में ब्राह्मण वोट बैंक को आकर्षित करने की रणनीति बनाने लगे। ब्राह्मण राजनीति का शोर नेपथ्य में जा ही रहा था कि इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने एक बार फिर ब्राह्मण स्वाभिमान और सम्मान को चर्चाओं में ला दिया है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माला पहनाते हुए उन्होंने एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जनता की आस्था का सम्मान करते हुए भगवान परशुराम की जन्मस्थली जलालाबाद के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए सरकार ने वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है। सियासत में कम शब्दों में संदेश कह देने की कला महत्वपूर्ण होती है और इसीलिए जो इसमें माहिर है वह राजनीति के दांव पेंच में भी माहिर माना जाता है। ब्राह्मण स्वाभिमान के मुद्दे पर जितिन प्रसाद पिछले कुछ सालों में बेहद मुखर रहे, इन्होंने ब्राह्मणों के लिए संगठन बनाया और पूरे प्रदेश में घूम घूम कर ब्राह्मणों को एकजुट करने का अभियान चलाया। जितिन प्रसाद जब भाजपा में आए तब भी ये बात उठी थी कि जिस प्रकार ब्राह्मणों की नाराजगी को जितिन प्रसाद ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया था वो उनके भाजपा में शामिल होने के बाद राजनीतिक रुप से भाजपा के पक्ष में हो गई है। जितिन आज जिस कुर्सी पर हैं उस पर कभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी और शिवपाल सिंह यादव जैसे दिग्गज रहे हैं। दोनों अपने अपने दलों में तो मजबूत रहे ही साथ ही अपनी जाति के लोगों के बीच नायक वाली छवि के साथ रहे और अब शायद जितिन भी धीरे धीरे उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण समाज के बीच लगातार जाकर खुद को उसी नायक के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

राज ठाकरे और अमित शाह की मुलाकात में क्या हुआ?

एजेंसी

महाराष्ट्र, 20 मार्च (नवसत्ता)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद मनसे और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। अब क्या वाकई राज ठाकरे महागठबंधन में शामिल होंगे? अमित शाह से आख़िर क्या चर्चा हुई? इस बारे में उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से सवाल पूछा गया तो इसका जवाब फडणवीस ने दिया है। फडणवीस ने कहा कि अमित शाह और राज ठाकरे की मुलाकात हुई है। अभी इस मुलाकात के बारे में बात करना थोड़ी जल्दबाजी होगी। एक-दो दिन रुकिए, हम आपको सब कुछ विस्तार से बताएंगे। आखिर इस बैठक में क्या हुआ? इस बारे में फडणवीस ने साफ तौर पर कुछ नहीं कहा। तो क्या मनसे जाएगी महायुति के साथ? ये सवाल अभी भी बना हुआ है।

आगे बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे माधा का उम्मीदवार जीते या बारामती का, मैं सारे काम करूंगा। दोनों विधानसभा क्षेत्रों को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई है। मेरी अब तक जितनी भी बैठकें हुई हैं उनमें सकारात्मक चर्चा हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन को मजबूत करना और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना ही एकमात्र लक्ष्य है। भाजपा ने रंजीतसिंह हिंदूराव नाइक-निंबालकर को माढ़ा लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार उम्मीदवार घोषित किया है। पश्चिमी महाराष्ट्र में माढ़ा लोकसभा क्षेत्र का चुनाव प्रतिष्ठित माना जाता है। 2008 में जब इस निर्वाचन क्षेत्र की स्थापना हुई, तो शरद पवार यहां से चुने गए। एक समय यहां शरद पवार का दबदबा था। वहीं, बारामती लोकसभा क्षेत्र पर पूरे राज्य का फोकस रहेगा। अब यह लगभग तय हो गया है कि सुप्रिया सुले उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी।

कोयले की खदान में विस्फोट, 12 की मौत

एजेंसी

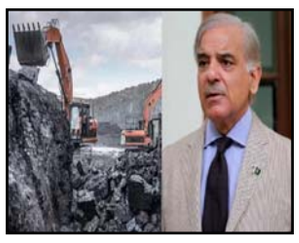

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में एक कोयला खदान में विस्फोट के बाद 12 खनिकों की मौत हो गई और आठ को बचा लिया गया। बलूचिस्तान प्रांत के खानों के मुख्य निरीक्षक अब्दुल गनी बलूच ने बुधवार सुबह कहा कि बचाव अभियान अभी पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि रात भर मीथेन गैस विस्फोट होने पर 20 खनिक खदान के अंदर थे। उन्होंने बताया कि बचाव दल ने 12 शव बरामद किए हैं, जबकि जीवित बचे लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। कोयले के भंडार पाकिस्तान के पश्चिमी इलाकों में पाए जाते हैं जो अफगान सीमा के पास स्थित हैं और खदान दुर्घटनाएँ आम हैं, मुख्यतः गैस निर्माण के कारण। श्रमिक संघ के अधिकारियों ने अतीत में कहा था कि खदान श्रमिकों ने शिकायत की है कि सुरक्षा गियर की कमी और खराब कामकाजी स्थितियां लगातार दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कीमती जिंदगियों के नुकसान पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया। पाकिस्तान की खदानों में घातक घटनाएं असामान्य नहीं हैं, जो खतरनाक कामकाजी परिस्थितियों और खराब सुरक्षा मानकों के लिए जानी जाती हैं। मई 2018 में पाकिस्तान के सबसे बड़े लेकिन सबसे गरीब प्रांत, संसाधन संपन्न बलूचिस्तान में दो पड़ोसी कोयला खदानों में गैस विस्फोट के बाद 23 लोग मारे गए और 11 घायल हो गए। 2011 में बलूचिस्तान की एक अन्य कोलियरी में गैस विस्फोट के कारण ढहने से कुल 43 श्रमिकों की भी मौत हो गई।

पेपर लीक के आरोप के कारण बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा रद्द

एजेंसी

पटना, 20 मार्च (नवसत्ता)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने शिक्षक भर्ती परीक्षा 2024 या टीआरई 3.0 2024 रद्द कर दी है। परीक्षा रद्द करने का निर्णय पेपर लीक के आरोपों के कारण लिया गया है। हालांकि, आयोग ने अभी तक 2024 में बीपीएससी टीआरई 3.0 परीक्षा आयोजित करने के लिए किसी नई तारीख की घोषणा नहीं की है। सभी उम्मीदवारों को नवीनतम अपडेट के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल हैंडल पर नज़र रखने की सलाह दी जाती है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से शिक्षक पद की कुल 87,774 रिक्तियां भरी जाएंगी।

आयोग ने शिक्षक भर्ती 2024 परीक्षा 15 मार्च को दो सत्रों में आयोजित की थी। परीक्षा रद्द करने का फैसला पेपर लीक की रिपोर्ट के बाद लिया गया। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) कर रही थी।

बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा 2024 के कथित पेपर लीक के मामले में झारखंड के हजारीबाग से लगभग 300 इच्छुक शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया था। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, आर्थिक अपराध इकाई को पेपर लीक के पुख्ता सबूत मिले हैं, जिससे पता चलता है कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र लीक हो गया था। दोनों डिविजनों में परीक्षा रद्द करने का फैसला पुख्ता सबूत मिलने और समीक्षा के बाद लिया गया है। आयोग उचित समय पर परीक्षा की नई तारीख की घोषणा करेगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए आधिकारिक वेबसाइट देखते रहें। राज्य सरकार द्वारा संचालित स्कूलों और मिडिल और हाई स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है।

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, बीजेपी में हुई शामिल

एजेंसी

तेलंगाना, 20 मार्च (नवसत्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद, तमिलिसाई सौंदरराजन बुधवार को चेन्नई में तमिलनाडु पार्टी प्रमुख के अन्नामलाई की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गईं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी भी मौजूद रहे। सुंदरराजन का इस्तीफा तब सार्वजनिक किया गया जब पीएम मोदी राज्य के जगतियाल जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। तमिलिसाई ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा और एक प्रति मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजी। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने के बाद मोदी रविवार से तेलंगाना राजभवन में ठहरे थे। चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त करते हुए, तमिलिसाई ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने सार्वजनिक सेवा लेने के लिए स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव लड़ना चाहता हूं और मैंने अपनी इच्छा अपनी पार्टी को भी बता दी है मेरे पास जो सदस्यता कार्ड है उसे वापस पाकर मुझे खुशी है...यह सबसे खुशी का दिन है। यह एक कठिन निर्णय है और एक सुखद निर्णय भी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में मेरे लिए कई सुविधाएं थीं लेकिन मैंने इसे छोड़ दिया...मुझे इसका एक प्रतिशत भी अफसोस नहीं है...तमिलनाडु में कमल जरूर खिलेगा। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ने ''नियमित नियुक्ति होने तक झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।'' सौंदरराजन ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया था। वह पुडुचेरी की उपराज्यपाल भी थीं। उन्होंने कहा था, ''मैंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है क्योंकि मेरी इच्छा सीधे जनता की सेवा करने की है। मैं खुद को जनता की सेवा में समर्पित करना चाहती हूं।'' सौंदरराजन ने उन खबरों के बीच इस्तीफा दिया है कि उनकी तमिलनाडु से आगामी लोकसभा चुनाव लड़न की योजना है।

टाटा आईपीएल के लिए जियो सिनेमा ने कई सुपरस्टार्स और बड़े नामों को शामिल किया

एजेंसी

मुंबई, 20 मार्च (नवसत्ता)। जियोसिनेमा ने आज 2024 टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में सुपरस्टारों की आकाशगंगा में नए अतिरिक्त नामों को शामिल किए जाने का खुलासा किया है। भारत का पसंदीदा खेल कार्निवल प्रशंसकों और दर्शकों के लिए जियोसिनेमा पर12 भाषाओं-अंग्रेजी हिंदी, मराठी, गुजराती, भोजपुरी पंजाबी, बंगाली, तमिल, तेलुगु मलयालम और कन्नड़ में मुफ्त में लाया जाएगा, जिसमें हरियाणवी डेब्यू करेगा। पहले कभी न देखे गए अवतार में दुनिया के सबसे विष्फोटक सलामी बल्लेबाजों में से एक वीरेंद्र सहवाग जियोसिनेमा परपहली बार शामिल हरियाणवी भाषा की प्रस्तुति का नेतृत्व करेंगे। इसी तरह अजय जड़ेजा गुजराती भाषा विशेषज्ञ के रूप में अपनी शुरुआत करेंगे। भारत के पूर्वकप्तान और एमआई एमिरेट्स के बल्लेबाजी कोच हिंदी और हैंगआउट फ़ीड् में भी दिखाई देंगे। आईपीएल चैंपियन शेन वॉटसन और न्यूजीलैंड के पूर्व कोच और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन, सहवाग और जड़ेजा के शामिल होने से जियोसिनेमा पर पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों का असर और गहरा हो जाएगा क्योंकि फैन्स को हाल-हाल तक शीर्ष फ्रेंचाइजीटीमों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले इन स्टार्स से अंदर की रोचक जानकारी मिलेगी। दिल्ली डेयरडेविल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेलने के बाद सहवाग ने पंजाब फ्रेंचाइजी के साथ मेंटर की भूमिका निभाई। प्रशंसक उन्हें इस बार हरियाणवी भाषा में उनका मजाकिया अंदाज देखेंगे। 2012 आईपीएल फाइनल के मैन ऑफ द मैच मनविंदर बिस्ला भी हरियाणवी फीडस मेंसहवाग के साथ शामिल होंगे।

राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खिताब जीतने के बाद वॉटसन ने जियोसिनेमा के साथ टाटा आईपीएल में अपनी शानदार यात्रा जारी रखी है। उन्होंने रॉयल्स के साथ उद्घाटन सीजन में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 2018 के फाइनल में सीएसके के लिए उनकी मैच जिताऊ नाबाद 117 रन की पारी को आईपीएल में अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक माना गया है। क्रिकेट के सबसे तेज़ दिमागों में से एक- माइक हेसन जियोसिनेमा के विशेषज्ञ के रूप में टाटा आईपीएल के साथ अपनी यात्रा को आगे बढ़ायेंगे। किंग्स इलेवन पंजाब को कोचिंग देने और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ क्रिकेट ऑपरेशंस डायरेक्टर के रूप में काम करने के बाद कीवीपेशेवर हेसन दिग्गज क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स सहित आईपीएल में उनके द्वारा प्रशिक्षित कुछ सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ बैठेंगे। वायकॉम स्पोर्ट्स हेड ऑफ कटेंट सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, टाटा आईपीएल 2023 की हमारी गहराई भरी और व्यापक प्रेजेंटेशन के लिए हमें दर्शकों विज्ञापनदाताओं और क्रिकेट के जुनूनी लोगों से जो प्रतिक्रिया मिली वह उत्साहजनक थी और हम टाटा आईपीएल 2024 के लिए अपने नवाचारोंऔर पहलों को दोगुना कर रहे हैं। इस सीज़न में हम हीरो कैम, वायरल वीकेंड्स और लेजेंडरी वीरेंद्र सहवाग द्वारा हरियाणवी फ़ीडस की शुरूआत जैसे अनूठे प्रस्तावों के माध्यम से अपने जिज्ञासु फ्रैन्स के साथ गहरे जुड़ाव के साथ अनुभव को बढ़ाना जारी रखेंगे। लचीलेपन और डिजिटल विकल्पों का लाभ उठाते हुए जियोसिनेमा इस साल कुल 18 फ़ीडस पेश करेगा, जिसमें पिछले साल के लोकप्रिय इनसाइडर और हैंगआउट फ़ीड, नए पेश किए गए हीरो कैम फ़ीड और वायरल वीकेंड नामक एक नया पेशकश शामिल है। 2024 सीज़न के दौरान जियोसिनेमा हर सप्ताहांत, हर भाषा में 100से अधिक लोकप्रिय सोशल कटेंट क्रिएटर्स को लाएगा, जो स्टार विशेषज्ञों के साथ अपने अनोखे अंदाज में देश के सबसे बड़े खेल इवेंट पर बातचीत और मज़ाक करेंगे।

खेल

फुटबॉल क्वालीफायर में भारत की नजरें नंबर तीन पर, अफगानिस्तान से भिड़ेगी

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। दो मैचों में एक जीत के तीन अंक के साथ भारत ग्रुप ए में फिलहाल दूसरे स्थान पर है। मौजूदा एशियाई चैम्पियन कतर दो जीत के साथ छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं दोनों मैच हार चुकी अफगानिस्तान टीम आखिरी स्थान पर है। कुवैत के खिलाफ जीत दर्ज करके इगोर स्टिमक की भारतीय टीम ने पहली बार तीसरे दौर में जाने की उम्मीदें जगाई है। विश्व रैंकिंग में 158वें स्थान पर काबिज अफगानिस्तान को (घरेलू और बाहर मैच) हराने से 117वीं रैंकिंग वाली भारतीय टीम के नौ अंक हो जायेंगे। कतर की टीम कुवैत को अगले दो मैच में हरा देगी तो भारत के पास दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका होगा। भारत ने कुवैत को कुवैत सिटी में 1 . 0 से हराया था जबकि भुवनेश्वर में कुवैत ने 3.0 से जीत दर्ज की थी। भारत और अफगानिस्तान के बीच 1949 में पहले मुकाबले के बाद से दोनों टीमें समय समय पर खेलती रही है। विश्व कप क्वालीफायर, एशियाई कप क्वालीफायर और अन्य उपमहाद्वीपीय तथा आमंत्रण टूर्नामेंटों में उनका सामना हुआ है। भारतीय आक्रमण की अगुवाई 39 वर्ष के सुनील छेत्री और मनवीर सिंह करेंगे।

आईपीएल में दिग्गजों की आवाज में होगी कमेंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। आईपीएल के 17वें सीजन के आगाज में अब बस एक दिन शेष रह गया है। इस बीच टूर्नामेंट के ऑफिशियल डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर जियो सिनेमा ने अपनी कमेंट्री टीम का ऐलान कर दिया है। इस बार हरियाणवी में भी आईपीएल की कमेंट्री सुनाई देगी। वीरेंद्र सहवाग हरियाणवी में कमेंट्री करते नजर आएंगे। वहीं, पूर्व क्रिकेटर अयज जडेजा गुजराती कमेंट्री में डेब्यू करेंगे। बता दें कि, जियो सिनेमा पर हिन्दी और अंग्रेजी समेत कुल 12 भाषाओं में कमेंट्री सुनने को मिली। इनमें अंग्रेजी और हिन्दी के अलावा मराठी, गुजराती, भोजपुरी पंजाबी, बंगाली, तमिल, तेलुगु मलयालम और कन्नड भाषा शामिल है, जबकि हरियाणवी का डेब्यू होगा। आईपीएल चैंपियन शेन वॉटसन और न्यूजीलैंड के पूर्व कोच और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। जियो सिनेमा का हीरो कैम भी आईपीएल 2024 में देखा जाएगा, जहां हर समय एक कैमरा टीम के कप्तान पर रहेगा। हालांकि, कुछ मौकों पर ये कैमरा रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी रहेगा, क्योंकि वो कप्तान नहीं है लेकिन उनसे बड़ा हीरो इस समय कोई नहीं है। अंग्रेजी- क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स, शेन वॉटसन आयन मोर्गन, ब्रेट ली, माइक हेसन अनिल कुंबले, रॉबिन उथप्पा, ग्रेम स्मिथ, स्कॉट स्टायरिस, संजना गणेशन और सुहैल चंडोक।

हसरंगा पर आईसीसी ने दो मैच का बैन लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा की टेस्ट क्रिकेट में वापसी बांग्लादेश के खिलाफ नहीं हो पाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने के कारण हसरंगा को तीन डिमेरिट प्वाइंट दिए गए थे जिसके लिए उन पर दो टेस्ट मैच का प्रतिबंध लग गया है। श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदू हसरंगा टेस्ट संन्यास से वापस आ गए हैं और उन्हें बांग्लादेश में दो मैचों की सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम में नामित किया गया था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज 22 मार्च से 3 अप्रैल तक चलेगी। पहला टेस्ट 22 मार्च से सिलहट में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 30 मार्च से चटगांव में खेला जाएगा। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में अंपायर के फैसले पर असहमति जताने की वजह से उनकी आधी मैच फीस काट ली गई और तीन डिमेरिट पॉइंट्स दिए गए। अब हसरंगा के 24 महीने के अंदर 8 डिमेरिट पॉइंट्स हो गए हैं, जो चार सस्पेंशन पॉइंट्स में बदल गए हैं।

आईसीसी के नियम के मुताबिक अगर किसी खिलाड़ी के 24 महीने के अंदर चार सस्पेंशन पॉइंट्स हो जाते हैं तो वह खुद ब खुद 2 टेस्ट या 4 वनडे या 4 टी-20 इंटरनेशनल मैच के लिए बैन हो जाता है। हसरंगा सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं। अगर आईसीसी हसरंगा की अपील ठुकरा देती है तो इसका मतलब यह होगा कि वे टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे। हसरंगा सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा है। वे बेस प्राइस1.50 करोड़ में ही टीम से जुड़े थे। हैदराबाद 23, 27, 31 मार्च और 5 अप्रैल को मैच खेलेगी। उम्मीद की जा रही है कि हसरंगा चौथे मैच के लिए उपलब्ध होंगे। हसरंगा ने अपने वनडे और टी-20 के करियर पर ध्यान देने के लिए लिए अगस्त 2023 में अपने टेस्ट संन्यास की घोषणा की थी। टी-20 वर्ल्ड कप से एक साल से भी कम समय में, उन्हें सबसे छोटे प्रारूप में नेशनल टीम के कप्तान बन गए।

ऋषभ पंत आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। आईपीएल 2024 से ऋषभ पंत क्रिकेट में वापसी करेंगे। वे दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान भी होंगे। डीसी के चेयरमैन पार्थ जिंदल ने इसकी घोषणा की। पंत 14 महीने बाद प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। 31 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुकी जाते वक्त पंत का एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई थी। इस कारण वे 2023 सीजन भी नहीं खेल सके थे। ऋषभ की जगह 2023 सीजन में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कप्तानी की थी। पिछले हफ्ते ही पंत को एनसीए से फिटनेस क्लियरेंस मिला है।

पार्थ जिंदल ने कहा- हमें अपने कप्तान के रूप में ऋषभ का वापस स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। धैर्य और निडरता ने हमेशा उनके क्रिकेट ब्रांड को स्थापित किया है। मैं एक बार फिर हमारी टीम के लिए उनकी वापसी का इंतजार नहीं कर सकता क्योंकि हम नए जोश और उत्साह के साथ नए सीजन का इंतजार कर रहे हैं।

हालांकि पंत के विकेटकीपिंग करने पर संशय अभी बना हुआ है। पार्थ जिंदल या टीम मैनेजमेंट में से किसी ने भी पंत के विकेटकीपिंग करने पर कोई बात नहीं की है। हालांकि कुछ दिन पहले उन्होंने विकेटकीपिंग और एक्सरसाइज करते हुए इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। वह एनसीए के 20 ओवर के ट्रेनिंग मैच में बल्लेबाजी और फील्डिंग भी करते नजर आए थे।

पंत दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। उनका 31 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुकी जाने के दौरान एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उनके दाहिने पैर के घुटने की तीन सर्जरी हुई।

मैक्ग्रा बोले- जसप्रीत हर बॉल पर पूरा एफर्ट लगाते हैं, उन्हें ब्रेक की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा का मानना है कि भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह का बॉलिंग एक्शन उनके ज्यादा चोटिल होने की वजह है। मैक्ग्रा बोले बुमराह को ऑफ-सीजन की जरूरत है क्योंकि उनके बॉलिंग एक्शन की वजह से उन्हें ज्यादा चोट लग सकती है। मार्च 2023 में अपनी पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहें। वह ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के साथ-साथ आईपीएल 2023 से भी चूक गए थे।

एमआरएफ पेस फाउंडेशन में मीडिया से बातचीत के दौरान मैक्ग्रा ने कहा, बुमराह को ऑफ सीजन की जरूरत है क्योंकि वह हर गेंद में पूरा एफर्ट लगाते हैं। उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। अगर वह खेलना जारी रखते है, तो उसके गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए जितना दबाव बनता है, उसे चोट लगना तय है, जैसा कि वह पहले भी कर चुके हैं। मैक्ग्रा बोले, बॉलिंग एक्शन के दौरान आखिरी दो कदम लेते हुए जब बुमराह क्रीज में आते है, तब उनकी गति बढ़ जाती है, और यहीं से उनकी बॉल स्पीड बढ़ती है।

मैक्ग्रा ने कहा कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों की मौजूदगी के कारण भारत को बाएं हाथ के गेंदबाज की तलाश करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा। वे बोले, भारतीय तेज गेंदबाजी लंबे समय से सेट है और इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। जिस तरह से मोहम्मद शमी, बुमराह, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वे जब रिटायर हो जाएंगे, तब भारतीय टीम तेज गेंदबाजी के बारे में सोचेगी।

मैक स्टार्क ने निजी कारणों से आईपीएल में नहीं आने का फैसला किया। लेकिन वह वापस आए और रिकॉर्ड कीमत लेकर गए।वे इसका इंतजार कर रहे होंगे। अपने दिन पर अगर वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं तो वह किसी भी अन्य तेज गेंदबाज जितना ही अच्छा होगा। उन्हें जो पैसा मिला है वह अविश्वसनीय है। लेकिन कमिंस और स्टार्क दोनों बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और खेल को अच्छी तरह जानते हैं। मैक्ग्रा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कीमत का उन पर एक प्रतिशत भी प्रभाव पड़ेगा। इस सीजन के लिए कमिंस और स्टार्क की बोली 20 करोड़ से भी ज्यादा गई। स्टार्क 24.75 करोड़ में केकेआर और कमिंस 20.50 करोड़ रुपए में एसआरएच के साथ शामिल हुए थे।

मैक्ग्रा का मानना है कि टी-20 में कुछ नया करने और बल्लेबाजों के साथ खेल के संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी गेंदबाजों पर है। टी-20 बैटर्स को फेवर करता है। मैक्ग्रा बोले, जब आईपीएल शुरू हुआ, तो बल्लेबाजों ने टी-20 में अपनी शैली में सुधार किया, इससे पहले गेंदबाजों ने अलग-अलग गेंदों को पकड़ा और बल्लेबाजों की बराबरी की। लेकिन हाल ही में बल्लेबाजों ने नए इनोवेटिव शॉट्स से गेम में पकड़ बना ली है, इसलिए अब गेंदबाजों के लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है।

यह नियंत्रण, विचार प्रक्रियाओं और गेम प्लान पर वापस आता है। यदि गेंदबाज अपनी इच्छानुसार गेंद फेंक सकता है, तो वह सफल होगा और गेम पर उसका नियंत्रण रहेगा। मुझे लगता है कि अब टी-20 क्रिकेट में आपके टारगेट के पर आपको कुछ गेंदें दिमाग में रखनी होंगी। बॉलर्स को मेहनत की जरूरत है।

क्या कुछ भी रख सकते हैं राजनीतिक पार्टी का नाम, कैसे जारी होते हैं सिम्बल?

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का नाम 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार' इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया है कि शरद पवार की पार्टी के चुनाव चिन्ह 'तुरहा बजाते व्यक्ति' को मान्यता दी जाए। आदेश में साफ किया है कि चुनाव आयोग किसी भी पार्टी को यह चुनाव चिन्ह आवंटित न करे। कोर्ट के इस आदेश से अजित पवार गुट को झटका लगा है।

ऐसे में सवाल है कि इलेक्शन कमीशन आखिर कैसे चुनाव चिन्ह आवंटित करता है, पार्टी किसी भी चुनाव चिन्ह की डिमांड कर सकती

है, कैसे होता है पार्टी का रजिस्ट्रेशन और राजनीतिक दल बनाने के लिए क्या होती हैं शर्तें?

पार्टियों को चुनाव चिन्ह आवंटित करने के लिए भी कानून है। इलेक्शन कमीशन पार्टियों को सिम्बल जारी करता है, लेकिन उसके लिए भी कुछ खास नियमों का पालन किया जाता है। इलेक्शन कमीशन के पास करीब 100 से अधिक चुनाव चिन्ह रिजर्व में रहते हैं, जो अब तक किसी भी पार्टी को आवंटित नहीं किए गए हैं। जब भी चुनाव चिन्ह जारी करने की बात आती है तो आयोग उनमें से एक चिन्ह पार्टी के लिए जारी करता है। चुनाव चिन्ह को जारी करने की एक अपनी प्रक्रिया है लेकिन इसको लेकर विवाद भी हो चुका है। आयोग अब पशु-पक्षियों की फोटो वाले चुनाव चिन्ह नहीं जारी करता है। इसको लेकर पशु अधिकारों की पैरवी करने वाले कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया था। इससे पहले तक जिन पार्टियों के पास ऐसे सिम्बल होते थे वो चुनाव के समय उन जानवरों की परेड कराने लगती थीं। एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट्स ने बेजुबान पशुओं की परेड को क्रूरता बताया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने ऐसे सिम्बल जारी करने पर रोक लगा दी जिसमें जानवरों को दिखाया जाता था।

अगर कोई कैंडिडेट राजनीतिक पार्टी बनाता है तो उसे चुनाव आयोग के पास रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में राजनीतिक दल बनाने से जुड़े नियमों का जिक्र है। नियम कहता है कि पॉलिटिकल पार्टी बनाने के लिए चुनाव आयोग की तरफ से जारी फॉर्म भरना होगा। इसे ऑनलाइन भरना होता है। फिर इसका प्रिंटआउट लेकर अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ 30 दिन के अंदर चुनाव आयोग को भेजना होता है। प्रक्रिया में 10 हजार रुपए बतौर शुल्क जमा कराना होता है। ध्यान रखने वाली बात है कि पार्टी के रजिस्ट्रेशन प्रॉसेस से पहले उसका संविधान भी तैयार करना जरूरी है। जिसमें ये बातें दर्ज होती हैं कि राजनीतिक दल नाम क्या होगा, उसके काम करने का तरीका क्या होगा, पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव कैसे होगा? ऐसी कई बातें उसमें दर्ज होती हैं। इसके साथ ही पार्टी के अहम पदों पर बैठे लोगों की जानकारी देनी होगी और पार्टी संविधान की प्रति पर उनके हस्ताक्षर भी अनिवार्यतौर पर होने चाहिए। दस्तावेजों में पार्टी के बैंक अकाउंट की डिटेल भी देनी होगी। पार्टी का नाम क्या होगा, यह कैंडिडेट खुद तय कर करेंगे, लेकिन उस मुहर लगेगी या नहीं यह चुनाव आयोग तय करेगा। आयोग देखता है कि वो नाम पहले से दर्ज तो नहीं है।

बिहार में 40 की 40 सीटें जीतेंगे: उपेंद्र कुशवाहा

एजेंसी

पटना, 20 मार्च (नवसत्ता)। बिहार में एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। बीजेपी 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जेडीयू को 16 सीटें दी गई हैं। वहीं चिराग के खाते में पांच सीटें गई हैं। उधर, गया सीट जीतनराम मांझी की पार्टी हम को दी गई है जबकि काराकाट सीट उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को मिली है। वहीं, इस बीच राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सारी नाराजगी दूर हो गई है। कुशवाहा ने कहा कि किसी प्रकार की नाराजगी नहीं थी, बातचीत जारी थी। हमारा लक्ष्य है कि हम 40 की 40 सीटें जीतें और बिहार की जनता पर विश्वास भी है। नीतीश जी के साथ कोई शिकवा-शिकायत नहीं थी। जब वे गलत जगह चले गए थे तब हम कह रहे थे कि नीतीश जी लौट आइए। इंडिया गटबंधन को पता है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम मोदी के पक्ष में ही होंगे। बता दें कि उपेंद्र कुशवाहा ने तीन सीटें मागी थीं लेकिन एक लोकसभा सीट और एक एमएलसी सीट देने को लेकर उनकी बात फाइनल हो गई। बिहार बीजेपी प्रभारी विनोद तावड़े ने भी ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी। उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात के बाद उन्होंने ट्वीट किया था। उन्होंने कहा, यह पहले से ही तय था कि 1 लोकसभा सीट के साथ-साथ 1 विधान परिषद सीट आरएलएम को दी जाएगी। आज मैं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा से मिला और इस प्रतिबद्धता पर कायम रहने का आश्वासन दिया। वहीं, पशुपति पारस के एनडीए से बाहर जाने के सवाल पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि एनडीए 40 सीटों पर जीतेगा, कोई दूसरा असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि चिराग को पांच सीट दे देने के बाद उनके चाचा ने कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति ने आज उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया। पारस का कहना था कि एनडीए में उनके साथ नाइंसाफी हुई। दरअसल, पारस हाजीपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन यह सीट चिराग के पास चली गई। इससे नाराज होकर उन्होंने एनडीए छोड़ दिया।

हरिद्वार और नैनीताल को लेकर फंसी कांग्रेस

एजेंसी

देहरादून, 20 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को लेकर कांग्रेस हरिद्वार और नैनीताल सीट पर फंस गई है। प्रत्याशियों के नामों पर अंदरखाने माथापच्ची चल रही है, लेकिन फैसला अटका हुआ है। नई दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उत्तराखंड को शामिल नहीं किया गया। पांचों लोकसभा सीटों पर भाजपा नामांकन की तैयारी में जुट गई है, लेकिन कांग्रेस में हरिद्वार व नैनीताल सीट पर प्रत्याशियों का पेच फंसा हुआ है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रदेश की हरिद्वार व नैनीताल सीट पर प्रत्याशी घोषित होने की संभावना जताई जा रही थी। इससे पहले प्रदेश प्रभारी शैलजा कुमारी ने भी प्रदेश के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की। लेकिन अभी प्रत्याशियों पर फैसला अटका हुआ है। पार्टी नेताओं में आपसी खींचतान के कारण प्रत्याशियों के नाम पर सहमति नहीं बन रही है। सूत्रों के मुताबिक हरिद्वार सीट से पूर्व सीएम हरीश रावत अपने बेटे वीरेंद्र रावत के लिए टिकट मांग रहे

हैं, जबकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा इस बात पर अड़े हैं कि यहां से हरीश रावत खुद चुनाव लड़ें। वहीं नैनीताल सीट से यशपाल आर्य, महेंद्र पाल, रणजीत रावत के नाम की चर्चा है। प्रदेश की दो सीटों पर प्रत्याशियों को लेकर हाई पावर कमेटी की बैठक में प्रत्याशी तय किए जाएंगे। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से उत्तराखंड को बाहर रखा गया है। पार्टी हाईकमान जिसे भी टिकट देगी, उसकी जीत के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत से चुनाव में काम करेंगे। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले उत्तराखंड प्रभारी शैलजा कुमारी ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक ली। उन्होंने हरिद्वार व नैनीताल सीट पर एक बार फिर प्रत्याशियों को लेकर पार्टी नेताओं की टोह ली।

प्रतिभा सिंह ने मंडी संसदीय सीट पर चुनाव लड़ने से किया इन्कार

एजेंसी

शिमला, 20 मार्च (नवसत्ता)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने मंडी संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। बुधवार सुबह दिल्ली से शिमला पहुंचीं प्रतिभा सिंह ने कहा कि वह चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। सिर्फ एमपी फंड बांटने से चुनाव नहीं लड़ा जा सकता। हमारा कार्यकर्ता निराश है। प्रतिभा ने कहा कि आज कोई भी सक्रिय कार्यकर्ता नजर नहीं आ रहा जो पार्टी के लिए काम करेगा। यह पार्टी के लिए अहम रोल निभाते हैं। कई बार सरकार को कहा कि इन्हें महत्व दिया जाए। मैं लगातार फील्ड में रही हूं। मुझे नहीं लगता कि हमें इन हालात में सफलता मिलेगी। जो भी प्रत्याशी तय होगा, उसकी मदद करेंगे। कहा कि उपचुनाव में जीत दिलाना हमारा कर्तव्य है। उपचुनाव के लिए प्रचार करेंगे। सरकार बचाने के लिए उपचुनाव जरूरी हो गए हैं। कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना होगा।

उधर, पार्टी सूत्रों के अनुसार मंडी

से युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नेगी निगम भंडारी का नाम भी संभावित प्रत्याशी के तौर पर चर्चा में शामिल हो गया है। जिला किन्नौर के रहने वाले भंडारी लंबे समय से इस संसदीय क्षेत्र में सक्रिय हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान वह किन्नौर से पार्टी टिकट की दौड़ में शामिल थे। हालांकि मंडी से कौल सिंह ठाकुर को भी प्रत्याशी बनाने की संभावना बरकरार है।

बता दें, लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी तय करने के लिए मंगलवार को कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी ने नई दिल्ली में मंथन किया गया। कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व रेल राज्य मंत्री भक्त चरणदास की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मौजूद रहे। इसी सप्ताह केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रदेश के चारों टिकट तय हो सकते हैं। छह विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव को लेकर कुछ दिन बाद मंथन करने पर सहमति बनी।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि शिमला सीट से दयाल प्यारी, अमित नंदा, कौशल मुंगटा और यशपाल तनाईक के नाम का पैनल तैयार किया है। ऐसे में अटकलें है कि कांग्रेस भी अब सिरमौर के वोटों को बांटने के लिए दयाल प्यारी को प्रत्याशी तय कर सकती है। कांगड़ा में आशा कुमारी, करण पठानिया, संजय चौहान और मेजर जनरल सेवानिवृत्त डीवीएस राणा को संभावित प्रत्याशी के तौर पर देखा जा रहा है। हमीरपुर से प्रत्याशी तय करने को लेकर कांग्रेस अभी पसोपेश में ही फंसी है। यहां से रामलाल ठाकुर और सतपाल रायजादा के नाम सामने आए हैं। हालांकि अपने गृह संसदीय क्षेत्र से मुख्यमंत्री किसे उतारने का फैसला लेंगे, इस पर नजरें टिकी हैं।

वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर ने कहा है कि लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कभी आवेदन नहीं किया। पार्टी ने जब-जब भी जिम्मेवारी सौंपी, उसे निभाया है। हमीरपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ने को लेकर पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर ने अपने पत्ते नहीं खोलते हुए कहा कि प्रत्याशी तय करने का अधिकार हाईकमान के पास है। दिल्ली में टिकटों को लेकर मंथन चल रहा है। जल्द ही इस संबंध में तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी। प्रदेश के छह विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव को लेकर चुप्पी साधते हुए रामलाल ठाकुर ने अयोग्य विधायकों का मामला सुप्रीम कोर्ट में होने का हवाला दिया।

बीजेपी ने रखा 'होल्ड' तो वरुण गांधी ने कर ली तैयारी

संवाददाता

लखनऊ, 20 मार्च (नवसत्ता) वरुण गांधी पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवार होंगे या नहीं, ये अब तक साफ नहीं है। बीजेपी ने पीलीभीत से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। इस बीच, जानकारी सामने आई है कि सांसद वरुण गांधी ने पीलीभीत से चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। बीजेपी अगर वरुण का टिकट काटती है तो भी उनके चुनाव लड़ने की चर्चा है। वरुण गांधी के करीबी लोगों ने आज यानी बुधवार को पीलीभीत में नामांकन का पर्चा खरीदा है। राजनीतिक गलियारे में चर्चा ये भी है कि वरुण गांधी सपा के टिकट पर लड़ सकते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से इसपर सवाल भी किया गया। अखिलेश ने जब वरुण के चुनाव लड़वाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह वरुण गांधी के संपर्क में नहीं हैं। उधर, दिल्ली में सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर बीजेपी ने वरुण का टिकट काटा तो हम विचार कर सकते हैं। वरुण

गांधी अक्सर पार्टी विरोधी बयानों को लेकर चर्चा मे रहते हैं। जिसके बाद से ही चर्चा है कि बीजेपी इस बार उनका टिकट काट सकती है। चर्चा ये भी है अगर वरुण गांधी की टिकट कटता है तो सपा उन्हें मैदान में उतार सकती है। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में वरुण गांधी पीलीभीत से चुनाव लड़े थे और जीत हासिल किए थे। पीलीभीत में 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। पहले चरण में यहां पर वोट डाले जाएंगे। 13 मार्च 1980 को जन्मे वरुण गांधी संजय गांधी के बेटे हैं। वह तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। वरुण गांधी की मां मेनका गांधी भी बीजेपी सांसद हैं। वरुण गांधी को पहली बार 1999 के चुनाव प्रचार के दौरान उनकी मां ने पीलीभीत निर्वाचन क्षेत्र से परिचित कराया था।

स्वामी प्रसाद मौर्य के लिए सपा के दरवाजे खुले हैं

संवाददाता

लखनऊ, 20 मार्च (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश की सियासत में स्वामी प्रसाद मौर्य की सपा में फिर से वापसी की चर्चा काफी तेज है। इस बात का संकेत सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद ही मंगलवार को दिया है, जिसके बाद से माना जा रहा है कि स्वामी प्रसाद के लिए सपा के दरवाजे अभी बंद नहीं हुए हैं। वहीं, स्वामी प्रसाद ने सपा से अलग होकर नई पार्टी तो बना ली है, लेकिन राजनीतिक में कोई हलचल पैदा नहीं कर सके। ऐसे में वो मजबूत सियासी ठिकाना तलाश रहे हैं, जिसके जरिए अपनी सियासी राह को आगे बढ़ा सकें। यही वजह है कि स्वामी प्रसाद मौर्य के घर वापसी के कयास लगाए जा रहे हैं?

दरअसल, राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के पीडीए पर सवाल खड़े करते हुए पहले पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दिया। इसके एक सप्ताह के बाद उन्होंने ने एमएलसी पद से इस्तीफा और सपा की सदस्यता छोड़ने का ऐलान कर दिया। सपा को अलविदा कहने के बाद स्वामी प्रसाद राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। इस दौरान उन्होंने दलित और पिछड़ों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया था। साथ ही इंडिया गठबंधन को बिना शर्त समर्थन करने का ऐलान

किया और कांग्रेस के महासचिव अविनाश पांडेय से भी उनकी मुलाकात हुई।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान स्वामी प्रसाद मोर्य को लेकर अखिलेश यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह सपा छोड़कर कब गए थे। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि आपने स्वामी प्रसाद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया तो वो बोले कि हमारी समिति विचार कर रही होगी। स्वामी प्रसाद मौर्य भी सपा के प्रति नरमी का संकेत देते हुए विपक्षी गठबंधन के लगातार समर्थन की बात कर रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने जज्बाती होकर सपा छोड़ दी हो, लेकिन अखिलेश यादव ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। इसी बीच स्वामी प्रसाद के राजनीतिक प्रतिद्वंदी सपा विधायक मनोज पांडेय राज्यसभा चुनाव में बीजेपी के साथ हो गए। मनोज पांडेय के चलते ही स्वामी प्रसाद ने सपा छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि अगर अखिलेश यादव वैचारिक रूप से स्टैंड साफ करते हैं तो फिर साथ हो सकते हैं। मनोज पांडेय अब जब सपा से बागी हो चुके हैं तो स्वामी प्रसाद मौर्य अपनी वापसी की कोशिश में हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और सपा नेताओं से मुलाकात की है। इस बात को स्वामी प्रसाद मौर्य ने खुद भी स्वीकार किया है कि उनकी बात इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं से हो रही है, जिसमें कांग्रेस और सपा दोनों ही पार्टी के नेता से मिले हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में बीजेपी को हराने के लिए हर समझौता करने के लिए तैयार हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमें इंडिया गठबंधन को मजबूत करना है। उन्होंने ये भी माना कि अखिलेश यादव के वे संपर्क में हैं। इससे एक बात साफ है कि स्वामी प्रसाद मौर्य और सपा के बीच सियासी खिचड़ी पक रही है। सपा के साथ स्वामी प्रसाद मौर्य अब नए सिरे से अपने राजनीतिक रिश्तों की शुरुआत करने की कोशिश में जुटे हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही स्वामी के घर वापसी पर मुहर लग सकती है, लेकिन किस तरह से उन्हें इंडिया गठबंधन में शामिल किया जाए उसे लेकर मामला फसा हुआ है। स्वामी कांग्रेस के नेताओं से भी अपना संपर्क बनाए हुए हैं। राहुल गांधी जिस तरह से ओबीसी और दलित राजनीति इन दिनों कर रहे हैं, उसी लाइन पर स्वामी प्रसाद मौर्य भी है।

वहीं, स्वामी प्रसाद ने भले ही सपा छोड़ दी थी, लेकिन उनके किसी भी करीबी नेता ने अखिलेश का साथ नहीं छोड़ा था। अखिलेश ने भी स्वामी प्रसाद के दो करीबी नेताओं को लोकसभा का टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार रखा है। एटा से देवेश शाक्य और आंवला लोकसभा सीट नीरज मौर्य को सपा ने टिकट दिया है। माना जा रहा है कि स्वामी प्रसाद की बैकडोर से सपा में एंट्री कराई जा सकती है, क्योंकि मनोज पांडेय के जाने के बाद रायबरेली में सपा का कोई कद्दावर नहीं नहीं रह गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य के कुशीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा भी है। कुशीनगर सीट से 2009 में वो चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन बहुत कम वोटों से हार गए थे। इसके बाद कुशीनगर की पडरौना विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रहे हैं, जिसमें दो बार बसपा से एक बार बीजेपी से।

मांडू विधायक जेपी पटेल ने थामा कांग्रेस का हाथ

झारखंड, 20 मार्च (नवसत्ता)। हज़ारीबाग़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत मांडू विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पटेल पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के विधायक के रूप में कार्य कर चुके हैं। पटेल ने कहा कि वह अपने पिता और पूर्व सांसद टेक लाल महतो के झारखंड के सपने को पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह एनडीए में अपने पिता की विचारधारा को खोजने में असमर्थ हैं और अब उन्होंने राज्य में आई.एन.डी.आई.ए ब्लॉक को मजबूत करने के लिए काम करने की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि मैं किसी लालच या पद के लिए नहीं बल्कि विचारधारा के लिए और राज्य के लिए अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए कांग्रेस में शामिल हुआ हूं। पटेल को आगामी चुनाव में कांग्रेस द्वारा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा जा सकता है। मीर ने कहा कि यह शामिल होना आने वाली चीजों का संकेत है और दावा किया कि झारखंड और पश्चिम बंगाल में विभिन्न दलों के कई नेता पाला बदलने के लिए कांग्रेस के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग शामिल होना चाहते हैं क्योंकि यह चुनावी मौसम है लेकिन कई लोग पार्टी की विचारधारा और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित हुए हैं। इससे पहले मंगलवार को तीन बार की विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) छोड़ दिया और भाजपा में शामिल हो गईं।

बिहार में इंडिया गठबंधन को कितना दिलाएंगे फायदा?

एजेंसी

पटना, 20 मार्च (नवसत्ता)। बिहार के बदले हुए सियासी समीकरण में पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव काफी दिनों से इंडिया गठबंधन में एंट्री के लिए हाथ-पैर मार रहे हैं। कांग्रेस से हरी झंडी पहले ही पप्पू यादव ले चुके थे, लेकिन आरजेडी के वीटो पॉवर के चलते उनकी एंट्री पर ग्रहण लगा हुआ था। ऐसे में पप्पू यादव ने मंगलवार रात आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात कर अपनी डील पक्की कर ली है। पप्पू यादव मधेपुरा या फिर पुर्णिया सीट से चुनावी मैदान में किस्मत आजमा सकते हैं। ऐसे में देखना है कि पप्पू यादव के आने से इंडिया गठबंधन को कितना सियासी फायदा मिलता है?

हालांकि, अभी इसपर आधिकारिक बयान आना बाकी है, लेकिन पप्पू यादव ने जिस तरह सोशल मीडिया के जरिए संकेत दिए हैं, उससे एक बात साफ है कि उनकी सियासी राह में अब कोई बाधा नहीं रह गई है। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अभिभावक पिता तुल्य लालू यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ पारिवारिक माहौल में मुलाकात हुई। मिलकर बिहार में बीजेपी को जीरो पर आउट करने की रणनीति पर चर्चा हुई। बिहार में इंडिया गठबंधन की मजबूती, सीमांचल, कोसी, मिथिलांचल में 100 फीसदी

सफलता का लक्ष्य है। दरअसल, पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हाल ही में उन्होंने पुर्णिया रंगभूमि मैदान में रैली की थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इसे उनके शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। वह प्रणाम पूर्णिया नाम का कैंपेन भी चला रहे हैं और एनडीए पर लगातार निशान साध रहे हैं। हालांकि, अभी तक वो चुनाव लड़ने पर खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन एक बात तय है कि अपने लिए वो एक लोकसभा सीट की मांग कर रहे हैं।

पप्पू यादव की पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सांसद हैं, इससे पहले वह सुपौल से लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। ऐसे में पप्पू यादव ने कांग्रेस के साथ अपनी बातचीत कर रखी थी। राहुल गांधी के अगुवाई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार में आई थी तो पप्पू की तरफ से राहुल गांधी के स्वागत में बड़े बैनर-पोस्टर लगाए गए थे, जिसके बाद ही तय हो गया था कि कांग्रेस से अगला चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस पप्पू यादव को पुर्णिया सीट से चुनाव लड़ाने के पक्ष में है, लेकिन आरजेडी इस पर सहमत नहीं हो रही थी। इसके चलते ही पप्पू यादव की राह में सियासी अड़चन आ रही थी, लेकिन अब जब लालू यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात किया।

पूर्व सांसद पप्पू यादव ने लालू परिवार से सिर्फ मुलाकात ही नहीं की बल्कि लालू यादव को अभिभावक और पितातुल्य बताया है। इसके अलावा तेजस्वी यादव को उन्होंने अपना भाई बताया है। इस तरह से लालू परिवार को मैनेज करने की कोशिश की है, क्योंकि आरजेडी छोड़ने के बाद से पप्पू यादव जिस तरह से आरजेडी और तेजस्वी यादव को लेकर निशाना साध रहे थे, उसके चलते ही आरजेडी ने वीटो पॉवर लगा रखा था।

हालांकि, एक समय पप्पू यादव खुद को लालू यादव के सियासी वारिस के रूप में देख रहे थे, लेकिन तेजस्वी यादव के आगे बढ़ाए जाने के बाद उनके रिश्ते बिगड़ गए थे।

निर्वाचन के दौरान सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म्स की निगरानी का प्रशिक्षण

संवाददाता

कन्नौज, 20 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तहत मीडिया/ सोशल मीडिया के नियुक्त सदस्यों का प्रशिक्षण अपर जिला अधिकारी / उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में एन. आई.सी सभागार में दिया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में आता है। इस प्रकार सोशल मीडिया पर सभी राजनीतिक विज्ञापन पूर्व-प्रमाणन के दायरे में आते हैं। नामांकन दाखिल करते समय उम्मीदवारों को फॉर्म 26 में अपने प्रामाणिक सोशल मीडिया अकाउंट का विवरण देना आवश्यक है। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को राजनीतिक विज्ञापनों पर खर्च, खातों को बनाए रखने की लागत, सामग्री विकसित करने और खातों का प्रबंधन करने वाले कर्मचारियों के वेतन सहित सोशल मीडिया प्रचार के खर्च को शामिल करना आवश्यक है। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को इंटरनेट आधारित मीडिया/सोशल मीडिया वेबसाइटों पर राजनीतिक विज्ञापनों को जारी करने से पहले पूर्व-प्रमाणित करना आवश्यक है द्यआदर्श आचरण संहिता के प्रावधान एवं संबंधित निर्देश उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई सामग्री पर लागू होंगे 7 ई-पेपर में प्रकाशित सभी राजनीतिक विज्ञापनों को भी पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी। प्रशिक्षण के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा व्हाट्सएप एक्स पोर्टल/ट्वीटर, यूट्यूब इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि प्लेटफार्म पर भड़काऊ भाषा एवं अराजकता फैलाने तथा फेक न्यूज की निगरानी करने हेतु विस्तृत जानकारी दी गयी।

उन्होंने बताया कि जितने भी मीडिया प्लेटफॉर्म है सभी को फॉलो किया जाय।

भाजपा नेताओं ने पन्ना प्रमुखों को बताई मोदी की उपलब्धि

संवाददाता

कन्नौज, 20 मार्च (नवसत्ता)। लोक सभा चुनाव 2024 को लेकर आज कन्नौज नगर मंडल के पन्ना प्रमुख सम्मेलन का आयोजन सिंह वाहिनी रोड स्थित सरस्वती विद्यामंदिर इंटर कॉलेज के प्रांगण मै किया गया। सम्मेलन में सांसद सुब्रत पाठक जिला अध्यक्ष वीरसिंह भदौरिया, लोकसभा सयोजक नरेंद्र राजपूत, विधान सभा प्रभारी अनिल शुक्ला मुख्य रूप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है। आप सब की ताकत की वजह से विरोधी घबरा गए है। हार के डर से अभी कुछ परिवार वादी पार्टियों ने अपने प्रत्यासी भी घोषित नहीं कर पाए है। कार्यकर्ताओ का उत्साह देख कर कहा की अब कोई कही से आए चाहे सैफई से आए अब विरोधियों की हार निश्चित है। वही सांसद सुब्रत पाठक ने कहा जब आप ने एक चाय बेचने वाले एक गरीब के बेटे मोदी को देश का प्रधानमंत्री बना दिया तो मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद इस देश के खज़ाने को गरीब शोषित, मजदूर, किसान, नौजवान के लिए खोल दिया की कैसे सब खुसाल हो कैसे सबका साथ हो और कैसे सबका का विकास हो। महिलाओ को राजनीत क्षेत्र में 33प्रतिशत आरक्षण देकर मोदी ने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। मोदी लगातार भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम कर रहे है। धारा 370 जैसे कलंक को धोने का काम किया। गरीबों को प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत गरीब को छत देने का काम किया वही आयुष्मान योजना के तहत गरीब को जीने का अधिकार दिया, नहीं तो पिछली सरकारों में केवल सरकारी योजना पर सिर्फ और सिर्फ कुछ जाति, वर्ग विशेष के लोगो का ही अधिकार होता था।

रोवर्स-रेंजर्स समाज सेवा के लिए सदैव तत्परः डा. रणजीत सिंह

संवाददाता

जौनपुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। गांधी स्मारक पीजी कालेज समोधपुर, जौनपुर द्वारा श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान शाखा-समोधपुर, जौनपुर में अयोजित पांच दिवसीय रोवर्स /रेंजर्स प्रवेश/निपुण प्रशिक्षण शिविर का समापन महाविद्यालय के प्रबंधक श्री हृदय प्रसाद सिंह रानू के संरक्षकत्व एवं प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डा. रणजीत सिंह जिला मुख्य आयुक्त स्काउट/गाइड जनपद जौनपुर द्वारा ध्वज शिष्टाचार संपन्न कराया गया ।अपने प्रेरणात्मक संबोधन में उन्होंने कहा कि रोवर्स/रेंजर्स समाज सेवा के लिए तत्पर रहता है। स्काउट/गाइड की प्रार्थना में जीवन जीने की कला समाहित है।प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि रोवर/रेंजर्स व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्रभक्ति की भावना का भी संचार करता है। विद्यार्थी शिविर के माध्यम से ध्वज शिष्टाचार, सर्वधर्म प्रार्थना आदि आयामों को सीख चुके हैं। आप जहां भी, जैसे भी रहें, अपने हुनर का प्रदर्शन करते रहें।डॉ अवधेश कुमार मिश्र, रोवर्स/ रेंजर्स संयोजक एवं विष्णु कांत त्रिपाठी ने आए हुए अतिथियों का हार्दिक स्वागत अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने उद्बोधन में प्रशिक्षक अवनीश चौधरी ने रोवर्स /रेंजर्स शिविर के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के विषय में बताया। रेंजर प्रभारी डा. नीलू सिंह, डॉ वंदना तिवारी, नीलम सिंह ने भी रोवर्स रेंजर्स पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो.अरविंद कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, डा. अविनाश वर्मा जितेंद्र सिंह, विकास कुमार यादव जितेन्द्र कुमार, डा. रत्नेश कुमार प्रजापति, कार्यालय अधीक्षक बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश कुमार सिंह, डॉ संदीप सिंह आदि शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

28 हजार गरीब परिवारों को रोजगार देने का लक्ष्यः महाप्रबंधक

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। महा प्रबंधक कार्मिक उत्तर प्रदेश वन निगम ने बुधवार को हलिया क्षेत्र के जंगल का दौरा कर बताया कि बीड़ी बनाने के लिए तेंदूपत्ता की कटाई एवं छंटाई शुरू कर दी गई है जिससे अच्छे पत्ते उगें और गरीब परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि रोजगार सृजन के लिए वन निगम द्वारा 28 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिनमें कार्ड धारकों को विशेष छूट है। उनके परिवार को पारदर्शिता के तौर पर वन निगम द्वारा लगाए गए फड़ो पर पत्ते का नकद भुगतान उनके खाते में होगा। 50 पत्ते की गड्डी बनाकर लोग संबंधित फड़ो पर 18 सौ रुपए प्रति हजार की दर से ले सकते हैं। प्रत्येक वर्ष 10प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, उन्होंने बताया कि गरीब परिवारों को जंगल में बीड़ी पत्ता तोड़ने के लिए छगल भी वन निगम द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा केवल सरकारी एजेंसी ही इसका क्रय करेगी अन्य लोगों को बीड़ी पत्ता देकर अपना शोषण न होने दें। उन्होंने बताया कि 15 जून तक गर्मी के मौसम में नए पत्ते उग आएंगे कलचर का कार्य हो रहा है 45 दिन बाद नया पत्ता आ जाएंगे और विभाग द्वारा इसका तोड़ान कराया जाएगा। इस दौरान वन क्षेत्र अधिकारी हलिया अवध नारायण मिश्र सहित वन निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

परिष्कृत व्यक्तित्व से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण सम्भवः डा. सुधाकर सिंह

संवाददाता

कादीपुर-सुल्तानपुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। संत तुलसीदास महाविद्यालय एन एस एस इकाइयों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन व्यक्तित्व परिष्कार द्वारा समाज और राष्ट्र का निर्माण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन प्राथमिक विद्यालय कटघरा मुतरवाही परिसर में हुआ। उक्त शिविर में छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए जनपद के प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ तथा समाजसेवी डॉ सुधाकर सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व परिष्कार से ही व्यक्ति का सम्यक विकास होता है और इससे परिवार भी बेहतर होता। परिष्कृत व बेहतर समाज के साथ साथ सशक्त राष्ट्र का निर्माण भी होता है।

अपने संबोधन में डा. सिंह ने समाज की अनेक बुराइयों की जड़ नशा को बताया। नशा से व्यक्ति न केवल अपना बल्कि पूरे परिवार को क्षति पहुंचाता है। उन्होंने अन्य विन्दुओं पर चर्चा करते हुए परंपरा के नाम पर विवाह और मृतक भोज पर किए जाने वाले अनावश्यक व्यय को भी समाज के लिए अत्यंत घातक बताया। डा. सुधाकर सिंह ने स्वयंसेवकों को संस्कारी जीवन जीने और अश्लीलता का परित्याग करने की शपथ दिलाया।

बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय गायत्री परिवार के प्रभाकर सक्सेना ने व्यक्तित्व निर्माण के लिए अनेक उपायों की चर्चा किया। स्वयंसेवकों द्वारा कटघरा मुतरवाही व नारायनपारा गांव में कार्यक्रमाधिकारी संजय सिंह तथा डा. राजकुमार सिंह के नेतृत्व में छात्र छात्राओं ने योगाभ्यास के साथ श्रमदान भी किया व गांव में श्रम व स्वच्छता के महत्व को बताया। बौद्धिक सत्र के दूसरे चरण में महाविद्यालय के डा. सतीश सिंह ने कैरियर उन्नयन पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया।

कार्यक्रम का संचालन डा. अंजू मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथियों का आभार कार्यक्रमाधिकारी डा. राजकुमार सिंह ने व्यक्त किया।

गड़बड़ा धाम में 50 हजार श्रद्धालुओं ने किया दर्शन पूजन

हलिया-मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। स्थानीय विकासखंड के गड़बड़ा धाम स्थित मां शीतला के दर्शन पूजन के लिए बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रंगभरी एकादशी के पर्व पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पहुंच कर दर्शन पूजन किया। भोर में मंगलाआरती के पश्चात ही मां शीतला का दरबार जयकारे से गुंजायमान रहा। क्षेत्रीय श्रद्धालुओं के अलावा पड़ोसी जनपदों के दूरस्थ इलाकों से पहुंचे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। भक्तों ने मां को नारियल, चुनरी, माला- फूल भेंट चढ़ा कर मन्नतें मांगी। पूजा अर्चन के बाद श्रृंगार के सामान, लाई, जलेबी, नारियल, चुनरी तथा लकड़ी व बांस के बर्तन भी खरीदे। मंदिर के पुजारी मंगल धारी मिश्र ने बताया कि भोर मंगला आरती के पश्चात मंदिर का पट खोल दिया गया था पूरे दिन भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा। लगभग पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला के चरणों में माथा टेककर मन मुरादे पूरी की है।

सरसों चोरी के तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण द्वारा तीन लोगों के विरुद्ध खलिहान में रखा सरसों चोरी से उठा ले जाने की तहरीर देकर मंगलवार की रात मुकदमा दर्ज कराए जाने पर पुलिस ने चोरी करने वाले तीन आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थाना क्षेत्र के झरना बडौहा गांव निवासी किसान अवधेश कुमार सिंह ने तहरीर देकर बताया कि बीते मंगलवार को घर से कुछ दूरी पर खलिहान में रखा 10 बोरी सरसों लगभग 5 कुंतल मड़ाई के बाद रखा गया था कि रात्रि में गांव निवासी राहुल कुमार पटेल तथा कमलेश गौड़ निवासी बड़ौहा एवं पटपरा गांव निवासी सुरजीत पटेल उठा ले गए। किसान की तहरीर पर पुलिस ने तीनों नामजद के विरुद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया। उपनिरीक्षक शैलेश कुमार की टीम ने तीनों आरोपियों को बुधवार सुबह देवरी बाजार से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विष्णु प्रभा सिंह का कहना है कि खलिहान से सरसों चोरी करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कारोबार

वेदांता के बाद अब एचसीएल का साथ भी छोड़ सकती है ताइवानी कंपनी!

एजेंसी

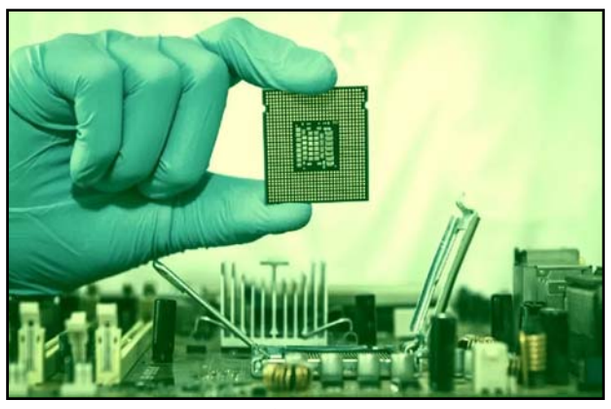

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। भारत सेमीकंडक्टर की दुनिया में चीन का विकल्प बनकर वर्ल्ड लीडर बनना चाहता है। लेकिन ये राह इतनी आसान नहीं है। ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन भारत में अपनी फैक्टरी लगाने के लिए पहले अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप के साथ बातचीत कर रही थी, हालांकि वो डील टूट गई और अब कंपनी शिव नादर की एचसीएल के साथ एक जॉइंट वेंचर प्रोजेक्ट पर काम कर रही है, लेकिन इसमें भी अड़चन नजर आ रही है।

दरअसल एचसीएल और ताइवान के फॉक्सकॉन ग्रुप ने जॉइंट वेंचर में एक सेमीकंडक्टर चिप असेंबली यूनिट लगाने का प्लान बनाया है। लेकिन सरकार उनके प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं है। सरकार ने अब दोनों कंपनियों से अपने प्रोजेक्ट की और डिटेल शेयर करने को कहा है। फिलहाल दोनों के जॉइंट वेंचर प्रोजेक्ट से जुड़ी एक एप्लिकेशन सरकार के पास पड़ी है। दोनों ने 'सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत इंसेटिव हासिल करने के लिए ये एप्लिकेशन दायर की है।

ईटी की एक खबर के मुताबिक सरकार ने कंपनियों से पूछा है कि उनकी 'आउटसोर्सड एसेंबली एंड टेस्टिंग' (ओएसएटी) फैक्टरी किस टेक्नोलॉजी पर काम करेगी। मतलब कि इस कंपनी में टेक्नालॉजी पार्टनर कौन सी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेगा। इस फैक्टरी के लिए एचसीएल और फॉक्सकॉन को एक टेक्नोलॉजी पार्टनर की जरूरत है। सरकार ने कंपनी से फैक्टरी के आउटपुट से जुड़ी जानकारियां भी मांगी हैं।

एचसीएल और फॉक्सकॉन ने इसी साल जनवरी में अपने जॉइंट वेंचर की घोषणा की थी। इसके तहत दोनों कंपनियां भारत में 10 से 15 करोड़ डॉलर का इंवेस्टमेंट करने जा रही हैं।

हाल में केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर के 3 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, इनमें सीजी पावर जापान की रेनेसस इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्प और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात में एक सेमीकंडक्टर प्लांट लगाएगी। जबकि टाटा सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड असम के मोरीगांव में और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कॉर्प के साथ मिलकर गुजरात में एक प्लांट लगाएगी।

सरकार का अनुमान है कि इन तीन सेमीकंडक्टर यूनिट्स में कुल 1।26 लाख करोड़ रुपए के निवेश आएगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड गुजरात के धोलेरा प्लांट पर करीब 91,000 करोड़ रुपए, टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड असम में 27,000 करोड़ रुपए, जबकि सीजी पावर गुजरात के साणंद में 7,600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

जोमैटो का प्योर-वेज-मोड लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने भारत में 100प्रतिशत वेजिटेरियन डाइट को फॉलो करने वाले कस्टमर्स के लिए प्योर वेज मोड और प्योर वेज फ्लीट लॉन्च किया है। जोमैटो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने मंगलवार (19 मार्च) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। दीपिंदर गोयल ने पोस्ट में लिखा, दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारत में वेजिटेरियन्स का परसेंटेज सबसे ज्यादा है। उनसे हमें सबसे जरूरी फीडबैक मिला है। वह यह है कि वे इस बात पर बहुत खास ध्यान देते हैं कि उनका खाना कैसे पकाया जाता है और उनके फूड को कैसे हैंडल किया जाता है। वेजिटेरियन्स के डाइटरी प्रेफरेंसेस को सॉल्व करने के लिए हम आज जोमैटो पर प्योर वेज फ्लीट (डिलीवरी पर्सन्स की एक अलग टीम) के साथ-साथ उन कस्टमर्स के लिए प्योर वेज मोड लॉन्च कर रहे हैं, जो 100प्रतिशत वेजिटेरियन डाइटरी पसंद करते हैं। यह फीचर अगले कुछ हफ्तों में पूरे देश में फेज्ड रोल आउट किया जाएगा। हम अपने कस्टमर्स की बात सुनने और बेस्ट पॉसिबल तरीके से अपनी कम्युनिटी की सेवा करने के लिए कमिटेड हैं।

जोमैटो के सीईओ ने बताया कि प्योर वेज मोड में सिर्फ वेजिटेरियन फूड सर्व करने वाले रेस्टोरेंट्स का ही ऑप्शन मिलेगा। इस मोड में नॉन-वेजिटेरियन आइटम्स ऑफर करने वाले रेस्टोरेंट्स शामिल नहीं रहेंगे। दीपिंदर ने बताया कि यह मोड किसी भी रिलीजियस और पॉलिटिकल प्रेफरेंसेस को पूरा नहीं करता है। जोमैटो का प्योर वेज फ्लीट स्टैंडर्ड रेड डिलीवरी बॉक्स के बजाय ग्रीन डिलीवरी बॉक्स का यूज करेगा। दीपिंदर ने बताया कि ये डिलीवरी पर्सन सिर्फ प्योर वेजिटेरियन रेस्टोरेंट्स से ही ऑर्डर डिलीवर करेंगे और कोई भी नॉन-वेजिटेरियन आइटम्स हैंडल नहीं करेंगे। इसके अलावा वे ग्रीन डिलीवरी बॉक्स लेकर नॉन-वेजिटेरियन रेस्टोरेंट्स में एंटर भी नहीं करेंगे। गोयल ने कहा, हमारी डेडिकेटेड प्योर वेज फ्लीट सिर्फ प्योर वेज रेस्टोरेंट्स के ऑर्डर को ही पूरा करेगी।

सोना पहली बार 66 हजार के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 206 रुपए बढ़कर 65,795 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसी महीने 11 मार्च को सोने ने 65, 646 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं आज चांदी में भी मामूली तेजी है। ये 15 रुपए महंगी होकर 73,859 रुपए प्रति किलो ग्राम पर बंद हुई। इससे पहले बीते दिन चांदी का भाव 73, 844 रुपए था। चांदी ने बीते साल यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया था। मार्च में अब तक सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। महीने की शुरुआत यानी 1 मार्च को सोना 62,592 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 20 मार्च को 65,795 रुपए पर पहुंच गया है। यानी 20 दिनों में ही इसकी कीमत में 3,203 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं चांदी भी 69,977 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर रू73,859 रुपए पर पहुंच गई थी। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16प्रतिशत) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रह सकती है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 75 हजार प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

गोफर्स्ट खरीदने के लिए स्पाइसजेट-बिजी बी ने 150-करोड़ बोली बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 मार्च (नवसत्ता)। स्पाइसजेट के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन अजय सिंह के कंसोर्टियम ने बैंकरप्ट एयरलाइन गोफर्स्ट को खरीदने के लिए अपनी बोली बढ़ा दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अजय सिंह के कंसोर्टियम में बिजी बी एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंसोर्टियम ने अब गोफर्स्ट को खरीदने के लिए अपनी बोली राशि यानी बिड अमाउंट 100-150 करोड़ रुपए बढ़ा दी है। जिसके बाद इस कंसोर्टियम की बोली बढ़कर 1,700 से 1,750 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले महीने फरवरी में स्पाइसजेट और बिजी बी एयरवेज ने साथ मिलकर नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइंस गोफर्स्ट को खरीदने के लिए 1,600 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। तब स्पाइसजेट और बिजी बी के अलावा शारजाह बेस्ड स्काई वन ने भी बोली लगाई थी। यह फाइनेंशियल बिड्स गो फर्स्ट की बैंकरप्सी प्रोसेस का हिस्सा है। गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया था। स्पाइसजेट ने कहा था कि अजय सिंह ने यह बोली अपनी पर्सनल कैपेसिटी से लगाई है। अगर डील हो जाती है तो स्पाइसजेट नई एयरलाइन के ऑपरेशन में मदद करेगी। यह जरूरी स्टाफ सर्विस और इंडस्ट्री एक्सपर्टिज प्रोवाइड करेगा। गो फर्स्ट में एक्सपोजर रखने वाले सरकारी बैंक के एक बैंकर ने बताया, दोनों ऑफर्स में बिड अमाउंट कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की एक्सपेक्टेशंस से काफी कम थी और इसमें भारी कटौती भी शामिल होगी। यही कारण है कि दोनों बिडर्स को अपने ऑफर को बढ़ाने के लिए कहा गया था। बैंकर ने कहा कि रेजोल्यूशन प्रोफेशनल के जरिए सीओसी स्काई वन के साथ बातचीत कर रही है। अजय सिंह और बिजी बी की कंबाइन बोली पर अगली सीओसी मीटिंग में चर्चा की जाएगी, जो अगले हफ्ते की शुरुआत में होने की संभावना है। गो फर्स्ट पर अपने लेंडर्स का 6,521 करोड़ रुपए बकाया है। एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने 19 जनवरी की रिपोर्ट में कहा था कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का सबसे ज्यादा 1,987 करोड़ रुपए का एक्सपोजर था। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का 1,430 करोड़ रुपए, डॉयचे बैंक का 1,320 करोड़ रुपए और आईडीबीआई बैंक का 58 करोड़ रुपए बकाया था। गो फर्स्ट एयरलाइंस ने 2 मई 2023 को बताया था कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। इसके बाद से गो फर्स्ट लगातार फ्लाइट्स सस्पेंड करने की डेट आगे बढ़ा रही है। एयरलाइन का दावा है कि वो इंजनों की सप्लाई नहीं होने से उसे अपने ऑपरेशन बंद करने पड़े हैं। अमेरिका के एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी फ्लीट के आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। इससे उसे भारी नुकसान हुआ। फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की कमी हो गई और फ्यूल भरने के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के 20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है। एयरलाइन के सीईओ कौशिक खोना का दावा है कि इंजन की खराबी से कंपनी को बीते तीन साल में 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.9 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

शिक्षा अनुशासन संस्कार

Celebrating Glorious 33 years of Success.....

शिक्षा अनुशासन संस्कार

मदर टैरेसा मान्टेसरी इण्टरमीडिएट कालेज

(मान्यता प्राप्त)

"Nurturing Humanity with Educational Excellence & Care."

विशेषतायें -

- सर्वोत्तम बोर्ड परीक्षाफल।
- इण्टरमीडिएट में कम्प्यूटर शिक्षा की सुविधा।
- योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य।
- छात्र/छात्राओं के आवागमन हेतु बस सुविधा उपलब्ध।
- वैज्ञानिक वर्ग के छात्र/छात्राओं हेतु सुव्यवस्थित प्रयोगशाला।

एल0के0जी0 से कक्षा 8 एवं कक्षा 9 से 11

पता - जवाहर विहार कालोनी, रामजीपुरम्, रायबरेली

मो0- 9415034265, 9415034966, 0535-2700554, 2700966

एडीजी वाराणसी ने लोकसभा चुनावों के मद्देनजर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

संवाददाता

मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन वाराणसी पीयूष मोर्डिया ने आसन्न लोकसभा चुनावों के मद्देनजर जनपद आगमन के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उपरांत शांतिपूर्वक निष्पक्ष मतदान संपन्न कराए जाने हेतु अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मिर्जापुर पुलिस कार्यालय पहुंचने पर अपर पुलिस महानिदेशक को सर्वप्रथम गार्द द्वारा सलामी दी गई। तदुपरांत उन्होंने पुलिस कार्यालय का निरीक्षण कर प्रतिदिन आने वाली शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी की। तत्पश्चात प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा आई.जी.आर.एस. कार्यालय, जन शिकायत प्रकोष्ठ, पेशी कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पेशी कार्यालय अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं देहात रिकॉर्ड रुम, पत्रावलि शाखा डीसीआरबी शाखा, विशेष जांच प्रकोष्ठ शाखा, रिट सेल, मानवाधिकार शाखा, पासपोर्ट शाखा, साइबर हेल्प सेन्टर आदि शाखाओं एवं अभिलेखों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा शाखाओं में नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों से वार्ता कर उनके कार्यों की जानकारी की गयी तथा सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को समय से कार्यालय में उपस्थित होकर पूर्ण मनोयोग से कार्य करने तथा कार्यालय रिकॉर्ड को दुरस्त रखने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान एडीजी द्वारा शाखाओं के अभिलेखों के रख-रखाव को चेक किया गया तथा साफ-सफाई रखने तथा राजकीय कार्य समय से सम्पादित करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर आर.पी.सिंह व पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर अभिनन्दन सहित अन्य अधिकारीगण, समस्त शाखा प्रभारी व शाखाओं में नियुक्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

निरीक्षण करने के उपरांत अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में जनपद के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारी/ थानाध्यक्ष/ शाखा प्रभारी के साथ कानून व्यवस्था के सुदृढीकरण एवं शान्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने अपराध नियन्त्रण तथा उनके अनावरण हेतु गोष्ठी का आयोजन किया गया। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने हेतु जनपद के सभी थानों द्वारा नियमित रूप से संवेदनशील ग्रामों कस्बों एवं वल्नरेबल मतदान केंद्रों में पैदल गस्त/एरिया डोमिनेशन करने तथा अर्ध सैनिक बल व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत कस्बा, ग्राम व अन्य स्थानों पर फ्लैग मार्च करने हेतु निर्देशित किया गया। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस महानिदेश द्वारा शराब खनन, गौकश/गौतस्कर, भूमाफिया तथा मादक पदार्थ तस्करों आदि के बारे मे जानकारी कर इस प्रकार के अपराधो मे संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत की गई कार्यवाही तथा गैंगस्टर अधि0 के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों में धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत संपत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही करने तथा जनपद मे खनन, शराब, गौकश/ गोतस्करों, भूमाफियाओं तथा मादक पदार्थ तस्करों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर अभियोग पंजीकृत कर कड़ी कानूनी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा एन्टी रोमियो स्क्वॉड, महिला आरक्षियों व अन्य पुलिसकर्मियों को अपनी बीट में जाकर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु विभिन्न कार्यक्रम व गोष्ठी कर सुरक्षा संबंधित सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके उपरान्त अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा लंबित विवेचनाऐं, विशेषकर एससी/ एसटी एक्ट, महिला सम्बन्धी अपराध पोक्सो एक्ट आदि की समीक्षा की गई तथा कार्य योजना बनाकर गुण /दोष के आधार पर विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण करने, विशेष रूप से वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया तथा पोक्सो एक्ट, महिला संबंधी अपराधों में अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी करने के निर्देश भी दिए गए।

थाने पर आने वाले समस्त आगन्तुकों/ फरियादियों की शालीनतापूर्वक समस्याओं को सुनकर तत्काल निष्पक्ष आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्वक निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा बैंक प्रबंधकों, सर्राफा व्यवसायी, व्यापार मण्डल के पदाधिकारी के साथ गोष्ठी कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा हर सम्भव मदद, सुरक्षा एवं सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

जानकी चरण मंदिर के पास निकले पत्थरों में लिखा मिला राम व ऊं

संवाददाता

चित्रकूट, 20 मार्च (नवसत्ता)। पंजाबी भगवान आश्रम के नीचे जानकी चरण मंदिर के पास जेसीबी से खोदाई में कई पत्थर निकले हैं। इनमें बनीं आकृति में कुछ लिखा है। जिनमें फलाहारी आश्रम के महंत व मंदिर के पुजारी ने दावा किया कि उसमें राम व ऊं लिखा है। चित्रकूट यूपी एमपी क्षेत्र के सभी तीर्थ स्थलों व बस्ती के पास से सीवर लाइन बनाने का काम जारी है। मप्र सरकार के इस विशेष निधि से चल रहे निर्माण का काम जनक एन पंचाल एंड ज्वाय बिल्डर्स करा रही है। जानकी चरण मंदिर के पुजारी ओंकार दास ने बताया कि निर्माण एजेंसी के कर्मचारी दो जेसीबी लेकर मंदिर के किनारे से सीवर लाइन डालने के लिए खोदाई करने लगे। कुछ देर बाद दोनों जेसीबी स्वत बंद हो गई। मुख्य मार्ग तक अन्य वाहन से घसीटकर जेसीबी को लाए तो बाद में वह स्टार्ट हो गई। साइट इंचार्ज मिथलेश पटेल ने बताया कि दोनों चालकों के अनुसार उन्हें कंपन महसूस हो रहा है। खुदाई के दौरान पत्थरों में मशीन फंस रही थी। कुछ पत्थर टूटकर बाहर निकले। इन पत्थरों को गौर से देखने पर कुछ लिखा महसूस हुआ। मंदिर के पुजारी ने पत्थरों में राम नाम व ऊं लिखा होने

की बात कहकर कई पत्थर अपने मंदिर में रख लिए। इसके बाद खोदाई का काम बंद हो गया है। फलाहारी आश्रम के महंत रामप्यारे दास महाराज भी मौके पर पहुंचे और कई पत्थर लेकर आए। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि चित्रकूट में भगवान साढ़े 11 साल रहे और यहां के कण कण में राम व्याप्त हैं। यह भी दावा किया कि वह पत्थर लेकर मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलेंगे ताकि इस स्थान का संरक्षण हो सके। मौके पर मौजूद श्रद्धालु विवेक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने भी यह चमत्कार देखा है। कुछ दिन पूर्व यूनेस्को की टीम आई थी जिसने दावा किया था कि हजारों साल पहले यहां मानव जीवन के अंश हैं।

कमलकांत उपमन्यु होंगे बसपा से लोकसभा प्रत्याशी

मथुरा, 20 मार्च (नवसत्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मथुरा में पंडित कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट को लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। पंडित कमलकांत उपमन्यु वर्ष 1999 में बसपा से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं । वे छावनी परिषद मथुरा के पूर्व पार्षद पूर्व वाइस चेयरमैन एवं सिविल एरिया और फाइनेंस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा अधिवक्ता भी है।उनके बसपा से मथुरा का प्रत्याशी बनने के बाद रोचक राजनीतिक मुकाबला होगा । भाजपा ने इस सीट पर दो बार की सांसद सिने तारिका स्टार प्रचारक हेमामालिनी को चुनाव मैदान में उतारा है।

ब्लॉक से हटाए जाने के बाद किया जा रहा मनरेगा कार्य

संवाददाता

सीतापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। डीएम ने गोंदलामऊ ब्लॉक में तैनात तकनीकी सहायक कुलदीप बाजपेयी को अनियमितताओं की शिकायतों पर उपायुक्त श्रम रोजगार के दफ्तर से संबद्ध करने का आदेश दिया था। इस संबंध में सीडीओ के निर्देश पर बीडीओ ने उन्हे 16 मार्च को कार्यमुक्त कर दिया। बावजूद इसके तकनीकी सहायक ब्लॉक परिसर में कार्य करते दिखे। इसकी चर्चा जोरों पर है।

मनरेगा तकनीकी सहायक कुलदीप बाजपेयी की कार्य प्रणाली काफी समय से विवादों में है। इनकी ओर से बिना कार्य कराए मनरेगा धनराशि को खर्च किया गया है। एक ही कार्य पर दो बार भुगतान किया गया। इसका खुलासा जिम्मेदारों की जांच में हो चुका है। इसकी रिपोर्ट उपायुक्त श्रम

रोजगार को भी भेजी गई थी। जानकार सूत्रों के अनुसार राजनैतिक प्रभाव के कारण इनपर कार्रवाई नहीं हो रही थी। डीएम अनुज सिंह ने पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए इन्हे ब्लॉक से हटाकर उपायुक्त श्रम रोजगार के दफ्तर में संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की थी। इस संबंध में सीडीओ निधि बंसल ने 15 मार्च को आदेश जारी किया था। जिसपर बीडीओ गोंदलामऊ ने तकनीकी सहायक को 16 मार्च को कार्यमुक्त कर दिया था। बावजूद इसके तकनीकी सहायक ब्लॉक में ही जमे हैं। ब्लॉक परिसर में कार्य करते दिखे।

जानकार सूत्रों ने बताया कि वह पिछली तिथियों में एमबी बना रहे हैं। पूर्व में किए गड़बड़झाले की लीपापोती में लगे हैं। इसमें जिम्मेदारों की मिलीभगत है।

रंगभरी एकादशी पर झांकियों संग निकाली गई प्रभातफेरी

हलिया-मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में बुधवार को रंगभरी एकादशी के पर्व पर अंजनी सोनी के नेतृत्व में बाजार वासियों ने प्रभातफेरी निकाली। बाजे गाजे के साथ रामलीला मैदान से प्रभातफेरी का शुभारंभ किया गया जिसका ड्रमंडगंज बाजार से होते हुए दुर्गा मंदिर पर समापन किया गया। इस दौरान शिव मंदिर पर रंग गुलाल व फूलों की वर्षा की गई। प्रभातफेरी में भगवान शिव, माता पार्वती व राधा कृष्ण का स्वरूप धारण कर बालकों संग बाजार वासी हर हर महादेव व जयश्रीराम का जयकारा लगाते रहे। प्रभातफेरी में ग्राम प्रधान कौशलेंद्र गुप्ता,अंजनी सोनी, तारकेश्वर केशरी लवकुश केशरी डा.दिलीप केशरी विजय पाल, सुरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर केशरी आदि मौजूद रहे।

बदायूं में दो मासूमों की हत्या पर शुरू हुई सियासत

संवाददाता

लखनऊ, 20 मार्च (नवसत्ता)। बदायूं जिले की बाबा कॉलोनी में गत दिवस करीब आठ बजे ठेकेदार विनोद ठाकुर के दो बेटों आयुष (13) और अहान (6) की धारदार हथियार से निर्मम हत्या की वारदात जिस जगह हुई वह मंडी समिति पुलिस चौकी से सिर्फ 500 मीटर दूर है। आरोपियों के दूसरे समुदाय के होने से गुस्सा भड़क उठा। जाम लगाकर हंगामा करते हुए दूसरे समुदाय के तीन खोखों में आग लगा दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी साजिद को मौके से करीब दो किमी. दूर पुरानी चांदमारी के पास घेराबंदी कर मुठभेड़ में ढेर कर दिया। उसके दो साथियों की तलाश की जा रही है।वहीं इस मसले पर बेशर्मी के साथ सियासत भी शुरू हो गई है। सपा-कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है तो भाजपा ने भी पलटवार करते हुए हमला बोला है। कुल मिलाकर दो मासूमों की हत्या के मामले में भी समाजवादी पार्टी को अपना वोट बैंक मजबूत करने की चिंता सता रही है। इसी लिये तो समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाते हुए पोस्ट की है। इसमें लिखा है कि भाजपा यूपी में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है और इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही और जिलों में सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही जिसका परिणाम बदायूं की घटना है। मगर सवाल यह है कि समाजवादी पार्टी के दिमाग में इतनी घटिया बात आई कैसे, कहीं उसने भी तो 2013 में मुजफ्फरनगर के दंगों के समय यही सब तो नहीं किया था, क्योंकि तब भी लोकसभा चुनाव होने वाले थे। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि भाजपा जब जनता के असल मुद्दों से हार चुकी है तो धार्मिक विवाद धार्मिक लड़ाई ही भाजपा का आखिरी हथियार बची है। भाजपा के इशारे पर ही कई गुंडे बदमाश खुले घूम रहे और भाजपा के इशारे पर ही ऐसी वारदातें कर रहे जिसके कारण समाज में लड़ाई झगड़ा बढ़ रहा है। वहीं, बदायूं डबल मर्डर केस पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का कहना है कि मैं बेहद दुखी हूं, मेरे पास इस घटना की निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि दोषियों और समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तिवारी आगे कहते हैं भाजपा यूपी में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है और इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही और जिलों में सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही जिसका परिणाम बदायूं की आज की घटना है वहीं भाजपा ने कहा है कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई हुई है। भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा ही अपराधियों को संरक्षण देती है, भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि समाजवादी पार्टी घटिया राजनीति कर रही है, उन्होंने कहा कि अगर सपा की सरकार होती तो अपराधियों को संरक्षण होता। योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस हत्या की वजह पता कर रही है। जानकारी के अनुसार, बाबा कॉलोनी में मजिया रोड के रहने वाले ठेकेदार 'हर घर जल योजना' के तहत ओवरहेड टैंक का निर्माण कराते हैं।

बैठक में जिलाधिकारी ने नवरात्रि मेले के तैयारियों की समीक्षा कर दिया निर्देश

संवाददाता

मिर्जापुर, 20 मार्च (नवसत्ता)। आगामी चैत्र नवरात्रि मेला विन्ध्याचल की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने विन्ध्याचल के प्रशासनिक भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि मां विन्ध्यवासिनी देवी के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं के सुगमतापूर्वक दर्शन पूजन, बिजली, पानी, सड़क शौचालय, रैन बसेरा, खोया पाया केंद्र दवा एवं तीनों मंदिरों की भव्य सजावट तैयारी पर चर्चा की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मेले से संबंधित विभागीय अधिकारी विंध्याचल धाम मेला क्षेत्र में आने वाले समस्त विद्युत पोलो को प्लास्टिक के पन्नी से ढका जाय ताकि करंट उतरने की संभावना न बन सके विंध्य विधा पीठ इन्टर कालेज के प्रांगण में रैन बसेरा के साथ पर्याप्त मात्रा में बिजली, पानी, शौचालय बेहतर साफ सफाई एवं खाद्य विभाग की ओर से पूड़ी सब्जी का स्टाल लगाया जाए। अमरावती चैराहे के आस पास किसी प्राइवेट जमीन को चिह्नित कर रैन बसेरा बनायें जिसमें सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं। प्रमुख गेटों पर

यात्रियों के लिए जूता चप्पल जमा करने के लिए भी निर्धारित स्थान बनाया जाए, पुरानी वीआईपी मार्ग पर बैरिकेडिंग कर वाहन रोके जाएं, उन्होने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में सभी होटलों, दुकानों पर खाने-पीने की सामाग्री की जांच हेतु मिर्जापुर शहर एवं विंध्याचल धाम में अभियान चलाकर सैंपल लिए जाएं नगर पालिका प्रशासन को निर्देशित किया गया कि विंध्याचल धाम एवं गंगा घाटों पर बेहतर साफ सफाई का प्रबंध करायें। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि चिह्नित 13 स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप लगाया जाए एवं पर्याप्त मात्रा में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, स्वास्थ्य कैम्पो पर बच्चों के लिए भी दवा उपलब्ध रहे, पूरे मेला क्षेत्र में जगह-जगह वाहन स्टैंड बनाए जाएं तथा नगर पालिका प्रशासन की ओर से रेट सूची लगाया जाए, निर्धारित शुल्क से अधिक वसूल करने वाले स्टैंड के खिलाफ कार्रवाई करें। मां विंध्यवासिनी मंदिर महाकाली मंदिर एवं अष्टभुजा मंदिर तीनों मंदिरों की भव्य सजावट किए जाएं, नगर पालिका प्रशासन की ओर से विंध्याचल धाम क्षेत्र में 300 अस्थाई शौचालय बनाने के लिए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया। नवरात्र मेले के दौरान गर्मी के मौसम के चलते समाजसेवी संस्थाओं से अपील किया कि जगह-जगह बिस्किट पानी उपलब्ध कराया जाएं। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन के लिए समुचित व्यवस्थाएं किये जाएं, किसी भी प्रकार से उनके साथ दुकानदारों एवं अन्य लोगों द्वारा दुर्व्यवहार न किया जाए ऐसा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने विन्ध्य कारिडोर का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बरतर तिराहा से होते हुए सदर बाजार कोतवाली मार्ग एवं परिक्रमा पथ पक्का घाट मार्ग का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान चौड़ीकरण किए गए मार्गो पर दुकानदारों द्वारा नाली पर बढ़कर दुकान लगाए हुए थे एवं दुकान के आगे लगायी प्लास्टिक की पन्नी को जिलाधिकारी ने उतरवाते हुये निर्देशित किया कि कोई भी दुकानदार नाली के बाहर दुकान न लगाये अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जायेगी।